RAJBIL26868/2016/1284525

वर्ष 2 अंक 3 मूल्य 20

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय

जयवर्द्धन

राजसमंद के प्रबुद्ध पाठक वर्ग की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

हिन्दी मासिक पत्रिका नवम्बर 2018

पेज संख्या : 36 राजसमंद

प्रकाशन तिथि : माह की 1 से 15 तारीख

राजनीति में योग्य युवाओं की दरकार @ पेज 5

चुनावी ढोल पर सब दावेदार नाचने को आतुर @ पेज 17

!! हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं !!
दीपोत्सव पर कुंभलगढ़-आमेट
क्षेत्र के
निवासियों को हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं
इस पावन पर्व पर आशा करता हूं
आपका स्नेह, सम्बल
एवं सहयोग हमेशा बना रहेगा।
बदलना :- तय हैं हर चीज
का इस संसार में...
बस थोड़ा इंतजार करो
किसी का दिल बदलेगा
तो किसी के दिन बदलेंगे।
मनोज कुमार पारीक
कुम्भलगढ़-आमेट विधानसभा क्षेत्र

सम्पादकीय

राजनीति में युवा भागीदारी जरूरी

आज समाज जीवन के हर क्षेत्र में युवा महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। दुनिया के श्रेष्ठ व्यापारिक प्रतिष्ठानों का नेतृत्व भी युवा हाथों में है। युवा नए विचार, नई तकनीक का उपयोग कर जिस क्षेत्र में वह कार्यरत है, उसमें नई उंचाईयों को प्राप्त कर रहा है। हमारे देश की आबादी में बहुत बडा भाग युवाओं का है। आजादी के आन्दोलन व उसके पूर्व व बाद के सभी समाज सुधार आन्दोलन में युवाओं की भागीदारी व भूमिका महत्वपूर्ण रही है। आपातकाल विरोधी आंदोलन में भी यही वर्ग महत्वपूर्ण भूमिका में था। इस सब के बावजूद भी आज राजनीतिक क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता युवाओं की संख्या नगण्य है। विडम्बना यह है कि की आज राजनीति में अवसर उसे ही मिलता जिसके पास धनबल, बाहुबल, परिवारवाद का सहारा है। आजकल जितने भी युवा राजनीति के पायदान चढ़ते दिखाई देते वे किसी न किसी राजनीतिक परिवार से सम्बद्ध होते हैं। यह समस्या छात्र राजनीति में भी दिखाई देने लगी है। नेताओं की संतानों को तुरन्त अवसर प्राप्त हो जाता है। इस सारी परिस्थिति में परिवर्तन करने का हौंसला आज का युवा रखता है, केवल उसके स्व को जगाने की आवश्यकता है।

देश के भविष्य की दिशा क्या होगी उसका निर्धारण राजनीतिक नेतृत्व करता है, लेकिन विडंबना देखिए इसमें उस युवा की भूमिका नहीं होती, जो देश का वर्तमान भी है व भविष्य भी है। ऐसा नहीं है कि इस सब परिस्थिति में परिवर्तन नहीं हो सकता। स्वतंत्रता आंदोलन व उसके पूर्व तथा उसके बाद के सभी समाज सुधार आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका इसी वर्ग की रही। आपातकाल विरोधी आंदोलन में भी इसी वर्ग ने बड़ी भूमिका निभाई। आबादी व मतदाता वर्ग का बहुत बडा हिस्सा होने के बाद भी राजनीतिक क्षेत्र मे केवल नेताओं की जय जयकार करने, हो हल्ला करने तक ही इस वर्ग की भूमिका रह गई है। यह किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। राजनीति में बुढे, भ्रष्ट, बाहुबली, अपराधी, स्वार्थी, जातीवादी, परिवारवादी नेताओं का एकाधिकार सा हो गया है।

इस सभी परिस्थिति के कारण युवा इस क्षेत्र से अपने को दूर कर लेता है। यह सोच भी ठीक नहीं है। ऐसा कर योग्य हाथों में देश का नेतृत्व रहे, इससे हम वंचित हो रहे हैं। नए युवा राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए चुनाव लड़कर आगे आते हैं, तो भ्रष्टाचार, जातिवाद, अपराधीकरण से लोकतंत्र को बचाया जा सकता है। देश की वर्तमान समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। वोट बैंक की राजनीति को चोट पहुंचाई जा सकती है। रोजगार सृजन के नए मार्ग खोजे जा सकते हैं। नई तकनीक के साथ नए विचार से देश की उन्नति में सहयोग किया जा सकता है।

युवाओं का देश कहलाने वाले भारत का नेतृत्व भी कोई योग्य युवा ही करें। ऐसा तभी संभव होगा, जब युवाओं को राजनीतिक क्षेत्र में अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही युवाओं को भी निश्चयपूर्वक इस क्षेत्र में अपने भविष्य को ढूंढना होगा। अवसर की प्रतीक्षा नहीं कर अवसर को पकड़ने के लिए आगे बढ़ना होगा।

अतिथि सम्पादक

भरत पालीवाल
अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन
प्रांत मंत्री भारतीय किसान संघ

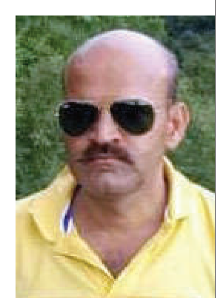

सामाजिक अभिरुचि का पर्याय
जयवर्द्धन
website : liverajsamand.com

सम्पादक व प्रकाशक	ललिता राठौड़
निदेशक व उप सम्पादक	विजय शर्मा
सम्पादन सहयोगी	हेमेन्द्रसिंह, सूर्यप्रकाश दीक्षित
विज्ञापन प्रबंधक	जितेंद्र शर्मा
संवाददाता	नरपतसिंह राठौड़
ग्राफिक डिजाइन	महेंद्रसिंह मोजावत
फोटोग्राफी	भरत पालीवाल (श्रीराम स्टूडियो)

कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली, जिला-राजसमंद, 9414239648, 9649813798
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

संपादक, प्रकाशक एवं स्वामी ललिता राठौड़ द्वारा राजसमंद से प्रकाशित एवं रमेशचंद्र आचार्य द्वारा आचार्य प्रिंटर्स हस्तिनापुर, कांकरोली, जिला राजसमंद राजस्थान से मुद्रित।

नोट : पुस्तक में प्रकाशित हर सामग्री में यथासंभव सावधानी रखी। फिर भी त्रुटियों के ध्यानाकर्षण के लिए धन्यवाद्। किसी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र राजसमंद होगा।

इस अंक में खास...

1. **कवर स्टोरी 1 :** राजनीति में योग्य युवाओं की दरकार — पेज- 5
2. **कवर स्टोरी 2 :** राजसमंद राजनीति में युवाओं का बढ़ा उत्साह — पेज- 9
3. कुंभलगढ़ में इस बार बदलेगी आयाराम-गयाराम की राजनीति : मनोज — पेज -11
4. जाति और परिवारवाद से ऊपर उठकर वोट करेंगे भीम विधानसभा के मतदाता : अजय — पेज -14
5. **विधानसभा चुनाव :** चुनावी ढोल पर सब दावेदार नाचने को आतुर — पेज- 17
6. **पर्व की सार्थकता :** गोवर्धन पूजन ही गौ पूजन है — पेज - 19
7. **उपेक्षा :** प्राथमिक सुविधाओं के इंतजार में भीम — पेज - 26
8. **राजनीतिक चटर- पटर** — पेज - 28
9. **कविताएं :** मी-टू, मी-टू के चक्कर में — पेज - 29
10. **मेवाड़ी चौपाल :** देखादेखी री भगती — पेज - 31
11. **तीखी मिर्ची :** टिकट के दावेदार — पेज -32

LUMITEX
INNOVATIVE LIGHTS

Ground Floor, Kothari Tower
Opp. Silvr Spring Apartments
100 Ft. Road, Rajsmand (Raj.)
M. +91 8107 895 069
lumitexworld@gmail.com

- Havells & Crabtree Switches
- Havells Fan & Geyser
- Hanging Lights
- Wall Lighths
- Automation Based Light
- Table Lamps
- Mirror & Picture Lights
- Kids Lights
- Outdoor Lights
- Gate Lights & Bollard
- Commercial Lights

राजसमन्द में इनोवेटिव लाइट्स की एक बेहतरीन श्रृंखला

उचित मूल्य व उत्तम गुणवत्ता की लाइट्स, लेम्प, झूंमर, फेन सहित कई प्रकार के आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं।

स्ट्रीट लाईट,
फ्लड लाईट एवं
व्यावसायिक कार्यो में
उपयोग आने वाली
लाईट्स उचित मूल्य पर
उपलब्ध।

ग्राउंड फ्लोर, कोठारी टावर, सिल्वर स्प्रिंग अपार्टमेंट के सामने 100 फीट रोड, राजसमंद मो. 8107895069

राजनीति में योग्य युवाओं की दरकार

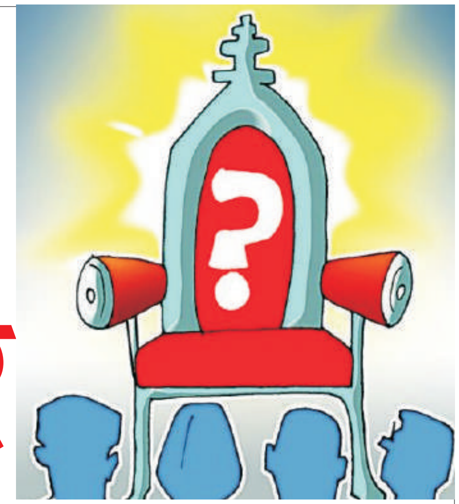

युवाओं को भी ट्रॉल और भीड़ बनने की बजाय राजनीति का विकल्प बनकर सृजन और निर्माण के कार्य में भागीदारी निभानी होगी। वहीं राजनीतिक पार्टियों को भी युवाओं को सीधे सत्ता में भागीदारी देने के बजाय सामाजिक कार्यों से जोड़ना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी तय होनी चाहिए। इससे देश प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। यह विचार प्रबुद्धजनों द्वारा सर्वमान्य रूप से आत्मसात कर लिया गया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों के बीच फुटबॉल बने ट्रॉलिंग करने वाले युवा, जो अन्याय को अपनी सुविधा के हिसाब से देखकर रोकने की हिम्मत नहीं करते हैं। क्या वह अपनी समर्थित पार्टी द्वारा उच्च पद पाने पर देश को कोई दिशा दे पाएंगे।

आज दलों ने राजनीतिक सक्रिय युवाओं की राजनीतिक इच्छाशक्ति को एक लूटने वाले गिरोह में बदल दिया है, जो पार्टी नेताओं का फंडर है। देश में आज कम राजनीतिक समझ वाले ऐसे युवाओं की फौज खड़ी हो गई है, जो केवल पार्टियों का झंडा ढोकर अपना कीमती समय जाया कर रहे हैं। ऐसे में जनता द्वारा चुनकर सदन में भेजे जाने पर, क्या यह युवा वर्ग विकास के झूठे वादे कर जनमानस को वोट बैंक में गढता हुआ नहीं दिखेगा? या फिर बुजुर्ग नेताओं की विरासत को पीछे छोड़ उस युवा भारत को आगे बढ़ाने के लिए बेताब होगा, जिसमें 60 करोड़ युवा वोटरों में से चालीस करोड़ मज़दूर और बेरोजगार है। वहीं आज से 44 वर्ष पहले इन्हीं युवाओं ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर देशहित के लिए क्रांति का बिगुल बजाया था।

आज अधिकांश युवा सत्ता में परिवर्तन या भागीदारी के लिए आवाज नहीं उठाते, बल्कि अपने निजी हितों के लिए राजनीति सीखते हैं। वहीं शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक पार्टियों द्वारा छात्रों को राजनैतिक निगरानी का काम देकर उनकी आवाज को दबाने का काम किया जा रहा है, जिससे छात्र शिक्षण संस्थान के संस्थागत सुधार के लिए आंदोलन की राह ना पकड़े। केवल राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनावी जमीन तैयार करते रहें।

क्योंकि विश्वविद्यालयों से उठे मुद्दे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। देश का समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए संघर्षरत छात्रों को राजनीतिक दलों ने विचारधारा तले बांटकर आपसी संघर्ष पैदा कर दिया।

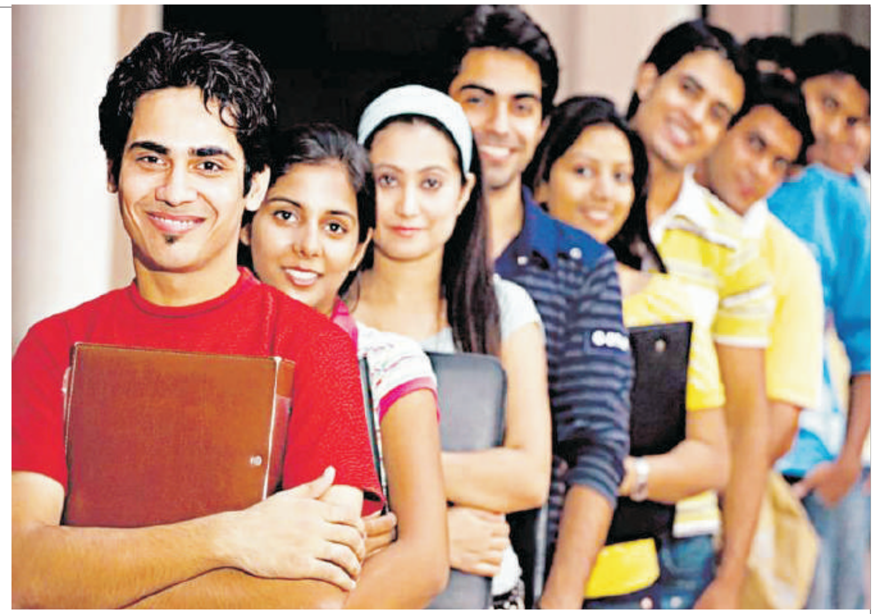

आखिर इस प्रकार आपसी संघर्ष में उलझे हुए युवा देश को किस तरह का राजनीतिक विकल्प दे सकते हैं? ऐसे में प्रतिभावान, सक्षम, योग्य और पढ़े लिखे अपने कार्य क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त युवाओं की राजनीति में वृद्धि देश को दिशा देकर प्रगतिशील बना सकती है, लेकिन लोकतंत्र होने के बावजूद राजनीति में ऐसे युवाओं के लिए बड़ी समस्या एंट्री प्वाइंट की है।

समाजवादी आंदोलन ने युवाओं को राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश का मौका दिया था, लेकिन इस आंदोलन से पैदा हुए नेताओं ने युवाओं को राजनीति में प्रवेश का मौका नहीं दिया।

वहीं व्यक्तिवाद भी योग्य युवाओं को राजनीति में आने से वंचित कर रहा है, जो संघीय भावना के खिलाफहै। इसलिए अब गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वाले योग्य युवाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आरक्षण देने पर विचार होना चाहिए। राजनीति में सक्रिय युवाओं को जमीनी स्तर पर काम करने का मौका देकर उन्हें उनके काम के आधार प्रतिनिधित्व देना चाहिए। राजनीति में व्यक्तिवाद के चलते सक्षम युवा राजनीति से दूरी बना लेते हैं।

यह व्यक्तिवाद, परिवारवाद राजनीतिक संगठनों की निर्णय प्रक्रिया को ही प्रभावित नहीं करता, अपितु सक्षम और योग्य युवाओं को राजनीति में आने के अवसर से वंचित कर लोकतंत्र की बुनियाद पर खतरा उत्पन्न करता है। लोकसभा सचिवालय के आंकड़ों के हिसाब से देश में महज 2.2 फीसदी सांसद ही तीस वर्ष से कम उम्र के हैं।

मौजूदा लोकसभा में चालीस फीसदी सांसद ही 25 से पचपन वर्ष के बीच के हैं, जबकि सांसदों की औसत आयु पचपन वर्ष से ऊपर है। अभी वर्तमान में ऐसा कोई दल नहीं है, जिसमें 35 वर्ष से कम उम्र के युवा को पार्टी में शीर्ष नेतृत्व मिला हो। इसी कारण दूसरे क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवाओं का राजनीति से मोह भंग हो गया है। ऐसे में देश की सरकारों को सक्षम युवाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने वाले देशों से सीखना चाहिए।

नॉर्वे दुनिया का एकलौता ऐसा देश है, जहां तीस वर्ष से कम उम्र के दस फीसदी से ज्यादा सांसद हैं। वहीं मोरक्को ने अपनी संसद में युवाओं के लिए 25 फीसदी सीटें आरक्षित कर रखी हैं। अगर राजनीतिक पार्टी के स्तर पर देखा जाए तो स्वीडन की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ने 25 फीसदी सीटें युवाओं के लिए आरक्षित कर रखी है। इन सीटों पर पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं को ही चुना जाता है।

वर्ष 2017 में सेंटर फॉर द स्टडी इन डेवलपिंग सोसाइटीज द्वारा युवाओं के राजनीति में आने की रुचि को लेकर किए सर्वे के मुताबिक 46 फीसदी युवाओं की राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं इनमें से आधे से ज्यादा किसी राजनीतिक पार्टी से संबंध नहीं रखते हैं। युवाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में जोड़ने के साथ साथ उन्हें निर्णय प्रक्रिया में भी भागीदार बनाना आवश्यक है। इसके लिए हमारे राजनीतिक दलों के पास कोई व्यवस्था और रोड मैप नहीं है।

किसी भी दल ने यह व्यवस्था नहीं बनाई, जिसमें युवाओं को प्रशिक्षित कर राजनीतिक नेतृत्व के लिए तैयार किया जाए। कहने को सभी दलों के पास अपने छात्र और युवा संगठन भी हैं। एक समय इन्हीं छात्र संगठनों ने क्रांति का बिगुल बजाया था और इसी आंदोलन के अंकुरण से देश को नेतृत्व देने वाले बहुत सारे नेताओं का निर्माण हुआ था, लेकिन अब छात्र राजनीति तो राजनीतिक संगठनों के लिए जमीन तैयार करने की प्रयोगशाला बन गई है। अब यह नई संभावनाओं को तैयार करने का मंच नहीं रहा।

दरअसल यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना है कि जहां सत्तर फीसदी आबादी 40 साल से कम उम्र की है। वहीं 80 फीसदी राजनेता 70 वर्ष से ऊपर की उम्र के हैं। इसके विरुद्ध यह भी तर्क दिया जा सकता है कि परिपक्वता और अनुभव के हिसाब से देश के लिए उम्र दराज नेतृत्व ही उचित है, लेकिन दुनियाभर में युवा नेतृत्व तेजी से उभर रहा है। क्योंकि युवाओं की भविष्य की आकांक्षाओं, सपनों और ऊर्जा को सही दिशा देकर राष्ट्र की प्रगति में भागीदारी हमउम्र ऊर्जावान युवा नेतृत्व बेहतर तरीके से सुनिश्चित कर सकता है।

29 वर्ष के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो, न्यूजीलैंड की बागडोर संभाले 37 वर्षीय जेसिंदा आर्डर्न और ऑस्ट्रिया के सेबस्टियन कर्ज़ आज युवा नेतृत्व के उल्लेखनीय प्रतीक हैं। युवाओं की भागीदारी के बिना देश की विकास यात्रा संभव नहीं है। पिछले दशकों में भाषा आंदोलन से लेकर एंटी करप्शन मूवमेंट तक जो भी देशव्यापी, सामाजिक- राजनीतिक आंदोलन हुए हैं। उसमें युवाओं की पर्याप्त भागीदारी रही है। युवाओं को भी ट्रॉल और भीड़ बनने की बजाय राजनीति का विकल्प बनकर सृजन और निर्माण के कार्य में भागीदारी निभानी होगी। वहीं राजनीतिक पार्टियों को भी युवाओं को सीधे सत्ता में भागीदारी देने के बजाय सामाजिक कार्यों से जोड़ना चाहिए। युवाओं के लिए ऐसे प्रशिक्षण की जरूरत है, जिसमें यह सिखाया जाए कि वह किस तरह सामाजिक मुद्दों पर सक्रियता बढ़ाते हुए राजनीति की ओर बढ़ सकते हैं। इसलिए युवा आबादी वाले देश का नेतृत्व करने के लिए राजनीतिक दलों को युवाओं को भी मौका देना चाहिए।

अश्विनी शर्मा
स्वतन्त्र युवा टिप्पणीकार
अध्येता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
मो. 9455866133

राजसमंद राजनीति में युवाओं का बढ़ा उत्साह

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

देश में जितनी युवाओं की तादाद है, उसके मुकाबले राज्य व केन्द्रीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी नहीं है। समग्र विकास की नींव राजनीति है, मगर राजनीति में जो नेता है, उनकी औसत उम्र 55 वर्ष के पार है। हमारे देश में 60 वर्ष की उम्र में तो कार्मिक, अफसरों को राजकीय सेवा से सेवानिवृत मिल जाती है, मगर कई अफसर-कार्मिक तो 60 वर्ष के बाद राजनीति में उतर रहे हैं। युवाओं में शैक्षिक, प्रशैक्षिक, तकनीक के साथ शारीरिक, मानसिक दृष्टि जितनी कार्य दक्षता व क्षमता है, उतनी वयोवृद्ध नेताओं में नहीं है।

राजसमंद में जब भी युवा को राजनीति की बागडोर मिली, तब न सिर्फ बेहतर कार्य करके दिखाया, बल्कि प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट कार्य की

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

भैरूलाल जोशी
सरपंच

नाथुसिंह
उपसरपंच

अपील :- क्षेत्र के विकास के लिए मतदान करना जरूरी हैं। आपका वोट ही क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। सड़क, पानी, बिजली समेत अन्य स्थानीय समस्याओं को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधी को चुनना हैं। लेकिन इसके लिए मतदान करने जरूर जाएं। अपने आस-पास के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करें।

जन्म-मृत्य, विवाह का
पंजीयन अवश्य करावें, पंचायत को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें।

समस्त वार्डपंच एवं ग्रामवासी

ग्राम पंचायत सांगठ कला, पंचायत समिति राजसमंद

सराहना हुई। कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ. सीपी जोशी ने 30 वर्ष की उम्र में नाथद्वारा विधायक चुने गए। चार बार विधायक चुने जाने के दौरान पंचायतीराज, शिक्षा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, प्लानिंग एवं सूचना तकनीक मंत्री रहे। उसके बाद वर्ष 2009 में सांसद चुनकर केन्द्रीय पंचायतीराज मंत्री, सड़क- परिवहन मंत्री के साथ रेलवे मंत्री भी रहे। इसी दौरान राजसमंद में फोरलेन, बाघेरी नाका परियोजना सरीखे कई ऐतिहासिक कार्य किए। इसी तरह प्रवेश कुमार सालवी महज 26 साल की उम्र में राजसमंद जिला प्रमुख निर्वाचित हुए और विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर नवाजा गया। युवा उम्र में नगरपरिषद सभापति बनकर सुरेश पालीवाल ने भी गौरवपथ, राजसमंद झील किनारे महाराणा राजसिंह पैनोरमा, महाराणा राजसिंह महल विकास, शहीद स्मारक उद्यान के साथ शहरी विस्तार में अहम भूमिका निभाई। भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, उप प्रधान भरत पालीवाल, महेन्द्रसिंह चौहान, सुनील जोशी, अशोक रांका तथा कांग्रेस में मुकेश भार्गव, बहादूरसिंह चारण में युवा सोच है। भाजपा व कांग्रेस में युवा कार्यकर्ताओं की तादाद दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, मगर न तो संगठन में आगे बढ़ने के मौके मिल पा रहे हैं और न ही वे संगठन के जरिये राजनीति में उतर पा रहे हैं। आज दोनों ही राजनीतिक संगठनों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की सख्त जरूरत है, तभी राजनीतिक सशक्तिकरण होगा। प्रवेश कुमार सालवी को जिला प्रमुख और सुरेश पालीवाल को सभापति बनने का मौका मिला। इसी तरह अन्य संस्थाओं में युवा भागीदारी की जरूरत है।

जमीनी स्तर पर काम करने वाले ऐसे युवा नेताओं को ग्राम पंचायत व नगरीय निकाय से लेकर राज्य विधानसभा और लोकसभा तक मौका देने की जरूरत है। आखिर स्वस्थ लोकतंत्र में ऐसे ही तो नेता बनते हैं। पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र में गिरावट, बढ़ता चुनावी खर्च और स्थानीय निकाय, पंचायतीराज चुनाव में आरक्षण ने युवा नेताओं के आगे बढ़ने में रुकावटें डाल दी है। युवा नेता विशाल युवा आबादी वाले देश की जरूरतों और ख्वाहिशों को समझते हैं। दलों को ऐसे नेताओं को अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए, तभी समग्र विकास का सपना साकार हो सकेगा और आम युवा की भौतिक समस्या का भी समाधान हो सकेगा।

जिम्मेदारी का अहसास क्यों नहीं

आज के युवाओं को सिर्फऔर सिर्फ टारगेट ओरियेंटेड बना दिया है। मतलब यह है कि आजकल के माता पिता स्वयं नहीं चाहते कि उनका पुत्र या पुत्री अपने कार्यो के अलावा देश के सामाजिक कार्यो में भी योगदान दें। क्योंकि आजकल का माहौल ही कुछ इस तरह का हो गया कि सब केवल अपना भविष्य बनाने में लगे हुए हैं। आज युवाओं को उनके परिवार के प्रति जिम्मेदारी का एहसास तक नहीं होता। इसलिए हमें इसके लिए कई ठोस कदम उठाने होंगे।

भारत की ताकत है युवा

हमारा देश एक प्रजातांत्रिक देश है, जहां अन्य देशों के मुकाबले सबसे ज्यादा युवा रहते हैं। युवा वर्ग वह वर्ग होता है, जिसमें 14 वर्ष से लेकर 40 वर्ष तक के लोग शामिल हैं। यह एक ऐसा वर्ग है, जो शारीरिक एवं मानसिक रूप से सबसे ज्यादा ताकतवर है, जो देश और अपने परिवार के विकास के लिए हर संभव प्रयत्न करते हैं। आज देश में 75 फीसदी युवा शिक्षित है और इसी के बल पर भारत ने अन्य देशों की तुलना में अच्छी खासी प्रगति की है। आज के युवा शैक्षिक योग्यता से सामान्यत: रोजगार के तो अवसर मिल रहे हैं, परंतु दुख की बात यह है कि आज का युवा भले ही कितना ही पढ़ लिख गया हो परंतु अपने संस्कार व देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को दिन प्रतिदिन भूलता ही जा रहा है। युवा वर्ग ऊंचाईयों को छूना चाहता है, परंतु वह यह भूलता जा रहा है कि उन ऊंचाईयों को छूने के लिए वह स्वयं अपनी जड़ें खुद काट रहा है। देश में युवा वर्ग तैयार है, एक नई युवा क्रांति के लिए। लेकिन अफ़सोस की बात है कि कुछ इस युवा वर्ग को रोक रही हैं। भारत का युवा वर्ग अपने देश में योगदान देने की बजाय विदेशों में जाकर बस जाता है।

आजादी के ये प्रेरक युवा नेता

आजादी के वक्त देश की राजनीति में कई युवा नेताओं की अहम भूमिका रही। अब देश में सुभाषचन्द्र बोस, शहीद भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, लोकमान्य तिलक सरीखे युवा नेता नहीं रहे, जिन्होंने अपने जोश और होश से युवा वर्ग के मन में एक नई क्रांति का संचार कर सके, लेकिन अफसोस आजादी के बाद नसीब में है, यह बूढ़े नेता जो खुद की हिफाजत ठीक से नहीं कर सकते, तो युवा को क्या देशभक्ति या क्रांति की बातें सिखाएंगे और विकास का निर्णय ले पाएंगे। यही मुख्य सवाल हर किसी के जेहन में है।

An ISO -9001:2015
M. 9829445469, 9929495228
शाईन कम्प्यूटर्स
RKCL
IT shapes future
(Rajasthan Knowledge Corporation Limited)
C.F.A (Tally)
पूर्ण व्यवसायिक कोर्स
SHiNE
GST/Tally ERP
RS-CIT
Tally पूर्ण व्यवसायिक कोर्स
DCA
PGDCA
PDCA
Spoken English
राजसमन्द का नं. 1 कम्प्यूटर संस्थान
शास्त्री मार्केट, कांकरोली फोन नं. 02952-220469
शीतला माता मंदिर के पास, राजसमंद फोन नं. 02952-220228

योग्यता व अनुभव के आधार मौके मिले

महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव से राजनीति कॅरियर की शुरुआत करने वाले युवाओं को शिक्षण के दौरान ही राजनीतिक संगठनों से जोड़ना चाहिए। संगठन से जुड़ने के साथ स्वत: से संगठन की आचार संहिता को समझते हुए राजनीति के गुर सीख सके। युवाओं की सक्रियता, कार्य दक्षता व योग्यता के आधार पर ही उन्हें गांव, शहर, खंड व जिला स्तर पर मौके मिलेंगे, तभी राजनीति में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

बढ़ रहा है परिवारवाद-जातिवाद

आज राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद काफी बढ़ रहा है, जिसकी वजह से राजनीति में युवाओं को मौका नहीं मिल पा रहा है। चंद गिने-चुने युवा ही राजनीति में है। इसका मुख्य कारण राजनीति का माहौल दिन-ब-दिन बिगड़ रहा है और सच्चे राजनीतिक लोगों की जगह लालची लोगों ने ले ली है।

युवा की भागीदारी से सुधरेगी देश की राजनीति

राष्ट्र राजनीति में स्वस्थ मानसिकता के लोगों की जरूरत है। क्योंकि राष्ट्र के प्रति स्वस्थ मानसिकता रखने वाला युवा ही राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्पष्ट मत है कि हमारा भारत युवा भारत है, जहां पर 65 प्रतिशत आबादी युवा है। इसमें अधिकांश युवा सकारात्मक सोच के साथ श्रेष्ठ परिणाम देने के प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक दल कोई भी हो, अगर उसमें सकारात्मक सोच वाले युवा आगे आएंगे, तो देश का राजनीतिक स्तर सुधरेगा। कई बार ऐसे निर्णय होते हैं, जहां पर राजनीतिक दल को दूसरी प्राथमिकता देते हुए राष्ट्र के नाम पर एक होकर, एक निर्णय की क्षमता तभी संभव

होगी, जब सकारात्मक सोच के युवा राजनीतिक क्षेत्र में हो। अत: युवाओं को प्रखर राष्ट्रवाद की सोच के साथ आगे आना चाहिए।

जगदीश पालीवाल
जिलाध्यक्ष भाजयुमो राजसमंद

युवा देश, फिर राजनीति बूढ़ी क्यों ?

आज सम्पूर्ण विश्व में युवा आबादी का देश भारत है। आजादी आंदोलन से लेकर आज तक जो भी ऐतिहासिक आंदोलन हुए, उसमें युवा नेतृत्व व युवा भागीदारी से ही सफलता प्राप्त हुई। संपूर्ण विश्व में ऐसा कोई भी देश नहीं, जो बूढ़े लोगों को अपनी सेना में रखे। सीमा पर युवा ही अपने देश के लिए बलिदान देता है। राजनीति में युवाओं की भागीदारी से ही राजनीति में सुधार, जनता के प्रति जवाबदेही और विकास आधार सुदृढ़ होगा। पूंजीपति या राजनीतिक परिवार का बेटा होने के कारण युवाओं को मौका नहीं मिले, बल्कि जिसने जनता के लिए संघर्ष कर स्वयं को समाज में स्थापित किया हो, ऐसे युवाओं को आगे बढ़ाया जाए।

शंकर सचदेव,
युवा कांग्रेस राजसमंद

कुंभलगढ़ में इस बार बदलेगी 'आयाराम-गयाराम' की राजनीति : मनोज पारीक

राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की सब तरफ पहल की जा रही है। ऐसे में इस बार कई युवा दावेदारी जता रहे हैं। ऐसे ही एक युवा मनोज कुमार पारीक जो सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों में लम्बे समय तक कार्य कर जनता के बीच युवा नेतृत्व बनकर भाजपा के कुंभलगढ़ से प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। टिकट को लेकर उत्साही पारीक ने जयवर्द्धन के सवालों पर दिए कई रोचक जवाब।

सवाल 1 : आपका राजनीतिक सफर किस प्रकार प्रारंभ हुआ और अब तक आपके पास क्या क्या दायित्व रहे हैं ?

जवाब : मेरा राजनीतिक जीवन संगठन की सबसे छोटी इकाई अध्यक्ष के रूप में शुरू हुई, जिसमें मैं भारतीय जनता पार्टी इकाई अध्यक्ष आगरिया 3 कार्यकाल तक रहा। इसके पश्चात ग्रामीण मंडल आमेट कोषाध्यक्ष पत्नी सविता पारीक वर्ष 2009 से 14 तक जिला परिषद सदस्य रही है। वर्तमान में मैं कुंभलगढ़ विधानसभा सभा में संकल्प से सिद्धि सहसंयोजक का दायित्व निर्वहन कर रहा हूं।

सवाल 2 : कुंभलगढ़ के वर्तमान विधायक राजनीति में 25 वर्ष से सक्रिय है। ऐसे में किस आधार पर आपको यह जिम्मेदारी मिल पाएगी ?

जवाब : लगातार जनता बैंगन का भरता खा खा कर ऊब चुकी है। मेरी राजनीतिक सक्रियता युवा एवं नया चेहरा ईमानदार, मिलनसार, कर्मठ, मधुर व्यक्तित्व जनता में सहज उपलब्धता के आधार पर मुझे यह जिम्मेदारी मिल पाएगी।

सवाल 3 : राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात तो प्रधानमंत्री भी करते हैं, मगर युवाओं को उतना मौका नहीं दिया जा रहा है। इसमें आपके क्या विचार है ?

जवाब : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राजनीति में युवाओं की भागीदारी से प्रेरणा पाकर युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और निश्चित ही युवाओं को अवसर मिलेगा।

परिचय

नाम	:	**श्री मनोज कुमार पारीक**
माता-पिता का नाम	:	श्रीमती शांतादेवी पारीक, श्री पुष्करलाल पारीक
पत्नी का नाम	:	श्रीमती सविता पारीक
शैक्षणिक योग्यता	:	स्नातक
पता	:	आगरिया, तहसील आमेट व जिला राजसमन्द हाल - माधव, पंचरत्न कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा रोड कांकरोली, तहसील व जिला राजसमंद 9413314141
जन्म दिनांक	:	26 अप्रेल 1977
व्यवसाय	:	मार्बल एवं ग्रेनाइट
मोबाइल	:	94133-14141, 96499 14141

भाजपा व सामाजिक दायित्व :

1. पूर्व इकाई अध्यक्ष, आगरिया (लगातार तीन कार्यकाल)
2. पूर्व मण्डल कोषाध्यक्ष, ग्रामीण मंडल आमेट
3. श्रीमती सविता पारीक (पत्नी) पूर्व जिला परिषद वार्ड नम्बर 18 (कार्यकाल वर्ष 2009-2014 तक)
4. सह संयोजक, संकल्प से सिद्धि कुंभलगढ़ विधानसभा
5. भारत विकास परिषद शाखा आमेट
6. पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक श्री धेनु गोपाल गौशाला सेवा समिति सियाणा राजसमंद (घायल, बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गौवंश की सेवार्थ)
7. कार्यकारी सदस्य राजस्थान गौ सेवा समिति राजसमंद मातृकुण्डिया, जिला चित्तौड़गढ़
8. विशेष सदस्य, राजस्थान इकाई ऑल इंडिया पारीक महासभा नई दिल्ली
9. विशेष सदस्य, भीलवाड़ा जिला पारीक परिषद भीलवाड़ा
10. सचिव, माईन्स ऑनर्स एसोसिएशन आमेट
11. कार्यकारी सदस्य मार्बल गैंगसा एसोसिएशन राजसमंद
12. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 25 वर्ष से स्वयंसेवक, प्रथम वर्ष शिक्षित

सवाल 4 : कुंभलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास की वर्तमान स्थिति और मूलभुत आवश्यकताएं क्या है ?

जवाब : विकास तो हुआ है, लेकिन अपेक्षित नहीं। मूल रूप से सड़क, परिवहन, पेयजल और चिकित्सा की सतत आवश्यकता है।

सवाल 5 : अगर जनता आपको नेतृत्व प्रदान करती है, तो कुंभलगढ़ विधानसभा के हालात में आप क्या बदलाव करना चाहेंगे ?

जवाब : सबसे पहले पार्टी में नाराज चल रहे कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास रहेगा, पर्यटन की प्रबल संभावनाएं हैं। इसे योजनाबद्ध गति सड़कों की दुर्दशा व चिकित्सा सेवा पर विशेष ध्यान देंगे।

सवाल 6 : कुंभलगढ़ में ज्यादातर सत्ता परिवर्तन का दौर चलता आया है। ऐसे में क्या भाजपा अपनी कुर्सी कायम रख सकेगी ?

जवाब : अब तक आयाराम, गयाराम की राजनीति चलती रही है। इस बार यदि पार्टी टिकट बदलकर युवा चेहरे को टिकट प्रदान करती है, तो इस मिथक को अवश्य तोड़ देंगे।

सवाल 7 : पार्टी अगर आपको टिकट नहीं देती है, तो क्या आप निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे या पार्टी के निर्णय पर समर्थन देंगे ?

जवाब : नहीं, मैं पार्टी के निर्णय को सर्वोपरि मानूंगा और पार्टी के लिए कार्य करूंगा।

सवाल 8 : आप अपने क्षेत्र में धार्मिक व सामाजिक कार्यों में लगातार सक्रिय रहे हैं। इसका राजनीतिक क्षेत्र में आपको क्या फायदा मिलेगा ?

जवाब : निश्चय ही सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों से सीधा जुड़ाव रहा है, जिससे क्षेत्र के छोटे से छोटे तबके एवं व्यक्ति से जीवंत संपर्क होने से इसका लाभ अवश्य मिलेगा।

सवाल 9 : आम तौर पर विधायक चुने जाने के बाद जनता की पहुंच से बाहर हो जाते हैं, मगर आप सहज व्यक्तित्व है। क्या आपके विधायक बनने के बाद कुछ परिवर्तन आएगा।

जवाब : नहीं, कहने मात्र के लिए जनता के दरवाजे खुले नहीं रहेंगे। हकीकत में हर पल हर क्षण जनता के दुःख सुख में साथ रहूंगा और संपूर्ण विधानसभा को दो भागों में बांटकर महीने की एक निश्चित दिनांक को स्वयं उस क्षेत्र की समस्याओं के लिए उनके द्वार तक पहुंचुंगा।

सवाल 10 : भाजपा व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों में प्रमुख पदों पर कुछ परिवारों का ही दबदबा रहा है। इसमें आखिर बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है ?

जवाब : भारतीय जनता पार्टी परिवारवाद में विश्वास नहीं रखती है। समय के साथ कुछ क्षेत्रों में यह मिथक टूटा है, जिसे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की सक्रियता से नवीन चेहरों को अवसर मिलेगा जिसके लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चिंतनशील है, जहां तक कांग्रेस की बात है। वह परिवारवाद से बाहर निकल ही नहीं पाई है और ना ऐसा प्रतीत होता है कि वह भविष्य में निकल पाएगी

सवाल 11 : कुंभलगढ़ विधानसभा की जनता से आप क्या अपील करते हैं ?

जवाब : मैं विधानसभा की जनता से अपील करना चाहूंगा कि हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें और कर्मठ युवा सेवा भावना जनता में सहज उपलब्धता हो ऐसे प्रत्याशियों को विजयी बनाएं।

मनोज पारीक की दावेदारी के मजबूत पक्ष

- युवा व नया चेहरा
- पत्नी पूर्व में जिला परिषद् सदस्य के रूप में ईमानदार छवि व अच्छा कार्यकाल।
- आर्थिक रूप से सम्पन्न।
- ईमानदार, मिलनसार, कर्मठ, मधुर व्यक्तिव।
- सभी बूथों का प्रवास व RSS प्रथम वर्ष शिक्षित कार्यकर्ता
- क्षैत्र में पत्नी के कार्यकाल के दौरान ईमानदार, स्वच्छ, बेदाग छवि
- कुम्भलगढ़ क्षैत्र के सभी वर्गों से घनिष्ठ सम्बन्धों एवं सम्पर्क का लाभ
- विधानसभा क्षैत्र के लगभग सभी गांवो, ढाणियों, खेड़ों एवं कस्बों में कृषकों, व्यापारियों
- कर्मचारियों, आम आदमी, युवा एवं छात्र संगठनों से मधुर एवं जीवंत संपर्क।
- युवाओं के लिए झुझारू रूप से समर्थन करना।

भीम में भाजपा को अपनों से खतरा

वर्ष 2014 तक विधायक हरिसिंह रावत के विश्वस्त माने जाने वाले मंडल अध्यक्ष अजय सोनी द्वारा राजसमंद लोकसभा सीट से दावेदारी करने के साथ ही विधायक व सोनी के बीच राजनीतिक दूरियां बनी, जो नगरपालिका चुनाव 2015 तक गहरी खाई में तब्दील हो गई। इस पर सोनी ने निर्दलीय के रूप में निकाय चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दी। इससे भाजपा के ही कार्यकर्ता दो धड़ों में बंट गए। भाजपा में इतनी गुटबाजी के बावजूद कांग्रेस इसका फायदा नहीं उठा पाई। उल्लेखनीय है कि गत चार सालों में क्षेत्र में सक्रिय रहकर अपनी राजनीतिक जड़े मजबूत कर दी है और इसी आधार चर्चा है कि सोनी का निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ना लगभग तय है। राजनीतिक कॅरियर को लेकर कई रोचक सवालों के जवाब पढ़िए अजय सोनी के इस खास साक्षात्कार में।

सवाल 1 : आपका राजनीतिक सफर किस प्रकार प्रारंभ हुआ और अब तक आपके पास क्या क्या दायित्व रहे हैं ?

जवाब : 1995 में आटर्स कॉलेज उदयपुर से छात्रसंघ अध्यक्ष बना। उसके बाद वर्ष 2009 से 2014 तक भाजपा का देवगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष रहा। जिलाध्यक्ष मुक्केबाजी संघ सहित कई सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों का भी दायित्व रहा है। मेरी पत्नी रेखा सोनी नगरपालिका देवगढ़ की उपाध्यक्ष भी रही है।

सवाल 2 : भीम से हरिसिंह रावत लगातार तीसरी बार विधायक है और सामने कांग्रेस के लक्ष्मणसिंह रावत कद्दावर नेता है। ऐसे में आप अपना स्थान कैसे बनाए पाएंगे ?

जवाब : क्षेत्र के लोगों ने एक ही परिवार की राजनीति को अच्छी तरह देखा है। क्षेत्र के बूरे हालात से जनता वाकिफ हो गई है। निश्चित रूप से मुझे नए चेहरे के रूप में अपार जनसहयोग व वोट मिलेंगे। क्षेत्र में सबसे ज्यादा सक्रियता मेरी ही रही है, जिसका मुझे निश्चित तौर पर फायदा मिलेगा।

सवाल 3 : भीम विधानसभा क्षेत्र के विकास की वर्तमान स्थिति और मूलभुत आवश्यकताएं आपके नजरिये से क्या है ?

जवाब : शहर से लेकर गांव-ढाणी तक बिजली, पानी, चिकित्सा, उच्च शिक्षा की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। विकास सिर्फ कुछ लोगों या गांवों तक सीमित होकर रह गया है। उच्च शिक्षा अब भी कई गांवों के लिए सपना ही है। स्कूलों में व्याख्ता, स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक व गांवों में बसे नहीं है।

सवाल 4 : अगर जनता आपको नेतृत्व प्रदान करती है, तो भीम विधानसभा के हालात में आप क्या बदलाव करना चाहेंगे ?

जवाब : सर्वप्रथम क्षेत्र में कतिपय लोगों की गुंडागर्दी को खत्म करना, ताकि आमजन महफूज व सुरक्षित महसूस कर सकें। उसके बाद हर गांव-ढाणी से लेकर शहर में आबादी विस्तार के आधार मास्टर प्लान के आधार पर समग्र विकास करवाया जाएगा। सुनियोजित विकास से आमजन को राहत मिलेगी।

परिचय

नाम	:	**अजय सोनी**
पिता का नाम	:	डॉ. रामेश्वरलाल सोनी
शैक्षणिक योग्यता	:	स्नातक
पता	:	मारू दरवाजा बाहर, देवगढ, राजसमन्द
जन्म दिनांक	:	18 अप्रेल 1974
व्यवसाय	:	माइनिंग, ग्राइडिंग युनिट्स, टाईल्स एवं सैनेट्री युनिट
ई-मेल आईडी	:	bharat_sanitary@yahoo.co.in
मोबाइल	:	9783273001

राजनीतिक अनुभव :

1. वर्ष 2009 से 2014 तक भाजपा नगर अध्यक्ष देवगढ़
2. 2014 लोकसभा चुनाव में राजसमन्द सीट से दावेदारी
3. वर्ष 1995 में आटर्स कॉलेज उदयपुर छात्रसंघ अध्यक्ष
4. पत्नि रेखा सोनी नगरपालिका देवगढ में उपाध्यक्ष
5. भाजपा युवा मोर्चा का उपाध्यक्ष पद पर कार्य किया।
6. 2015 में देवगढ नगरपालिका में निर्दलीय उम्मीदवार से 20 में से 5 सीटे जीती।
7. महाविद्यालय देवगढ़ में वर्ष 2015 में सभी सीटों पर निर्दलीय जिताए व 2017 में अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव जीते।
8. वर्ष 2010 से अब तक जिला मुक्केबाजी संघ जिलाध्यक्ष
10. वर्ष 1994 व 1995 में राष्ट्रीय बॉक्सिंग चेम्पियनशिप में गोल्ड मेडल
11. 2009 में राज्य ऑपन मुक्केबाजी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।
13. वर्ष 2015 में देव जागरण संस्था का गठन कर सांस्कृतिक, रचनात्मक गतिविधियां शुरू की व 12 हजार लोगों को वालीबॉल खेलाया व खिलाड़ियों निःशुल्क वालीबॉल सामग्री वितरित।
15. आमजन के लिए देवगढ में निःशुल्क ई-मित्र केन्द्र खोला।

सवाल 5 : भीम विधानसभा रावत बहुल क्षेत्र है। ऐसे में गैर रावत प्रत्याशी के लिए जीत किस आधार पर संभव होगी ?

जवाब : मैं जातिवाद की राजनीति में विश्वास नहीं करता हूं। आज की युवा पीढ़ी शिक्षित है और रावत समाज का भी पूर्ण समर्थन व सहयोग प्राप्त है। वालीबॉल खेल के माध्यम से सभी समाज की युवा शक्ति से जुड़ाव है। इसलिए जातिवाद मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता है।

सवाल 6 : जिले में देवगढ़ ही ऐसा क्षेत्र है, जहां भाजपा व कांग्रेस की नगरीय निकाय और छात्रसंघ चुनाव में परास्त कर आपने तीसरा मोर्चा खड़ा कर दिया। क्या नगरपालिका देवगढ़ की तरह समूचे भीम विधानसभा में अपना दबदबा कायम रख पाएंगे ?

जवाब : भीम विधानसभा क्षेत्र की जनता परिवर्तन चाहती है, यही मुझे फीडबैक मिला। अब तक के जनप्रतिनिधियों को जनता परख चुकी है। इस वजह से मुझसे जनता को उम्मीद है। साथ ही क्षेत्र में सक्रियता के साथ लोगों से जुड़ने का प्रयास किया है। इस कारण निर्दलीय होने के बाद भी मुझे सदैव समर्थन मिला है।

सवाल 7 : आपने अपने क्षेत्र में धार्मिक व सामाजिक कार्यों में लगातार सक्रिय रहे हैं। इसका राजनीतिक क्षेत्र में आपको क्या फायदा मिल पाएगा ?

जवाब : समाज के हर वर्ग से जुड़ने का प्रयास किया है और लोगों के दुःख सुख में भागीदार बना हूं। वालीबॉल खेल के माध्यम से युवा, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार शिविर, देवगढ़ निःशुल्क ई-मित्र केन्द्र खोलने के साथ सहित धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व सकारात्मक कार्यों के द्वारा सक्रियता से जनता से जुड़ाव होने से राजनीतिक फायदा मिला है और मिलता रहेगा। निर्दलीय के तौर चुनाव लड़ने पर जीत इसी का परिणाम है। इसके लिए देव जागरण संस्था का गठन किया, जिसके माध्यम से समाज सेवा का कार्य कर रहा हूं।

सवाल 8 : आम तौर पर विधायक चुने जाने के बाद जनता की पहुंच से बाहर हो जाते हैं, मगर आज सहज व्यक्ति है। क्या आपके विधायक बनने के बाद कुछ परिवर्तन आएगा ?

जवाब : नहीं, विधायक बनने के बाद तो क्षेत्र में ज्यादा सक्रिय रहना और जनता से जुड़ाव रहेगा, तभी क्षेत्रीय समस्याओं का समग्र रूप से समाधान हो सकेगा। इसलिए जनता से जुड़ाव को और मजबूत बनाने के प्रयास किए जाएंगे। ईमानदारी से जनहित के कार्य करना ही मुख्य ध्येय है।

सवाल 9 : भाजपा व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के प्रमुख पदों पर कुछ परिवारों का ही दबदबा रहा है। इसमें आखिर बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है ?

जवाब : परिवार विशेष द्वारा कभी भी स्वयं के समाज या किसी भी समाज के व्यक्ति को राजनीति में आगे नहीं बढ़ने दिया। मेरे राजनीतिक कॅरियर में भी कई रोड़े अटकाए। मुझे भी काफी संघर्ष करवाया, पर मैदान में डटा रहा। संघर्ष की वजह से आज मैं राजनीतिक अस्तित्व में हूं।

सवाल 10 : आपके व वर्तमान विधायक हरिसिंह रावत के बीच राजनीतिक द्वेषता चल रही है। कहीं ऐसा तो नहीं कि विधायक हरिसिंह रावत को आगामी चुनावों में हराने के लिए आप निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं ?

जवाब : राजनीति में अपने पद को बरकरार रखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को आगे बढ़ने नहीं दिया जाता है। राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा होना स्वाभाविक है। मैं विधनसभा 2018 के चुनाव में जीत के लिए लड़ रहा हूं और निश्चित रूप से जीत मिलेगी। मुझसे तो देवगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष पद को लेकर भी पूर्व गृहमंत्री श्री लक्ष्मणसिंह रावत द्वारा राजनीतिक धोखा किया है।

सवाल 11 : भीम विधानसभा क्षेत्र की जनता से आप क्या अपील करते हैं?

जवाब : जिन जिन लोगों को आपने मौका दिया, उनको आप लोगों ने अच्छी तरह परख लिया है। लेकिन वो लोग जनता की कसौटी पर खरे नहीं उतर हैं। एक बार इस क्षेत्र की सेवा करने का मौका मुझे भी प्रदान करें। मैं विश्वास दिलाता हूं कि जनता की हर समस्या का समाधान ही मेरा मुख्य ध्येय है और हमेशा इसी दिशा में कार्य करता रहूंगा।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डॉ. दर्शना व्यास सिंगला

(M.B.B.S., D.G.O.) बॉम्बे हॉस्पीटल, मुंबई

फेलोशिप ट्रेनिंग लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

महिला डॉक्टर द्वारा अत्याधुनिक 3D, 4D, रंगीन सोनोग्राफी

सामान्य प्रसव, सिजेरियन एवं बच्चेदानी के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है।

Healing Hands, Caring Hearts

आशीर्वाद हॉस्पिटल

50 फिट रोड, टी.वी.एस. चौराहा कांकरोली

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें : 02952-225005

नवरात्रा व दीपावली समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

MEN'S WEAR EX-CLASSIC

The Cloth Shop

कोणार्क शोरूम

राजकुमार खत्री–9929199732

प्रदीप खत्री : 94141-74732

नाथद्वारा रोड, जलचक्की, कांकरोली, जिला-राजसमंद

कबूतर खाने के पास, राजनगर, जिला-राजसमंद

विधानसभा चुनाव : चुनावी ढोल पर सब दावेदार नाचने को आतुर

टिकट मिलने से पहले ही जनसंपर्क में जुट गए दावेदार, मांग रहे समर्थन

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। टिकट बंटवारा न होने से चुनावी बिसात नहीं बिछी है, मगर संभावित दावेदारों ने चुनावी समर में ताल ठोक दी है। राजसमन्द के साथ नाथद्वारा, कुंभलगढ़ व भीम विधानसभा क्षेत्र में भी यही स्थिति है। नाथद्वारा में भाजपा कल्याणसिंह चौहान का विकल्प तलाश रही है, जबकि कांग्रेस में संशय की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा राजसमंद, नाथद्वारा व भीम विधानसभा में कई दावेदारों के खड़े होने से मौजूदा विधायकों के टिकट पर खतरे की घंटी बज गई है। भीम में कांग्रेस और भाजपा में दो दावेदार ऐसे है, जिन्हें अगर अपनी पार्टियों से टिकट नहीं दिया जाता है, तो वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भी चुनावी मैदान में उतरने को लेकर तैयारी कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में भीम में मुकाबला त्रिकोणीय रहेगी। रोचक यह होगा कि क्या इस बार भीम में दोनों ही पार्टियां परम्परागत परिवारों को छोड़कर अन्य नए को मौका देगी या उन्हीं परिवारों पर निर्भर रहेगी।

विधानसभा राजसमंद

भाजपा : विरोध के बावजूद किरण प्रबल दावेदार

मौजूदा विधायक किरण माहेश्वरी के अलावा पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक रांका ने प्रत्यक्ष तौर पर दावेदारी जताते हुए शहर से लेकर गांव ढाणी तक जनसम्पर्क शुरू कर दिया है। इसके अलावा चंपालाल कुमावत और श्रीकृष्ण पालीवाल ने भी राजसमंद सीट से दावेदारी पेश की है। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध के बावजूद जनता में मजबूत पकड़े के कारण किरण प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

कांग्रेस : छह दावेदार ठोक रहे ताल

कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष नारायणसिंह भाटी, हरिसिंह राठौड़, सुन्दरलाल कुमावत, दिनेश बाबेल, आशा पालीवाल एवं युवा कांग्रेस महासचिव दिग्विजयसिंह राठौड़ दावेदारी जता रहे हैं। भाटी व कुमावत ने तो जोर शोर से ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क शुरू कर दिया है। क्षेत्र में माना जा रहा है कि कांग्रेस से नारायणसिंह भाटी को टिकट मिला, तो भाजपा के साथ मुकाबला आकर्षक रहेगा। इधर, आम आदमी पार्टी से प्रकाश जैन, भारत वाहिनी पार्टी से अधिवक्ता प्रजीत तिवारी मैदान में उतर गए हैं।

विधानसभा कुंभलगढ़

भाजपा : राठौड़ को लेकर संशय

चार बार विधायक व एक बार मंत्री रह चुके सुरेन्द्रसिंह राठौड़ के टिकट को लेकर इस बार संशय की स्थिति बन गई है। राठौड़ के ही गांव के मनोज कुमार पारीक, आमेट के राजेन्द्र मेवाड़ा, कानजी का खेड़ा के मार्बल व्यवसायी कुन्दनसिंह सोलंकी के भतीजे चन्द्रभानसिंह सोलंकी, आमेट के नारायण कंसारा के अलावा कसार (चारभुजा) के विकास दवे भी दावेदारी के लिए मैदान में उतर गए हैं। इसके चलते राठौड़ के लिए विधायिकी दोहराना मुश्किल हो सकता है।

कांग्रेस : बाहरी दावेदारों की नजर

कांग्रेस से कुंभलगढ़ सीट का टिकट लेने के लिए इस बार पूर्व विधायक गणेशसिंह परमार, सत्यनारायण देवपुरा, पूर्व उप जिला प्रमुख मदनलाल गुर्जर, दिलीपसिंह के अलावा कई बाहरी नेता भी प्रयास में जुटे हुए हैं। उदयपुर कांग्रेस देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला, जालोर के नृसिंह पडियार कुंभलगढ़ सीट से दावेदारी जताते हुए टिकट के लिए ललचा रहे हैं। इस कारण पूर्व विधायक परमार के लिए भी टिकट मिलना चुनौतीपूर्ण है।

नाथद्वारा विधानसभा

भाजपा : महंत की झोली में गिर सकता है टिकट

विधायक कल्याणसिंह चौहान के निधन के बाद भाजपा द्वारा उनके विकल्प को तलाशा जा रहा है। टिकट की दौड़ आयता की धूणी के बाल योगी संतोषनाथ को प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। इसके अलावा संगीता चौहान, विरेन्द्र पुरोहित, कल्पना कुंवर पत्नी स्व. कल्याणसिंह चौहान, मानसिंह बारहठ, नीरज शर्मा, लक्ष्मणसिंह झाला, राजेन्द्र श्रीमाली, ज्योति श्रीमाली, गणेश पालीवाल आदि नाम चर्चा है। लम्बे समय से भाजपा के विभिन्न पदों पर रही संगीता चौहान भी टिकट के लिए मजबूत दावेदार है। कल्पना कंवर व लक्ष्मणसिंह झाला प्रदेश स्तर तक टिकट के लिए आवाज बुलंद कर चुके हैं।

कांग्रेस : असमंजस बरकरार

कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ. सीपी जोशी के इस बार फिर नाथद्वारा चुनाव लड़ने की चर्चा है, जबकि कांग्रेस जिलाध्यक्ष देवकीनंदन गुर्जर व पालीवाल समाज के अध्यक्ष मांगीलाल पालीवाल द्वारा भी टिकट मांगा जा रहा है। डॉ. जोशी का नाम चलने के बाद नाथद्वारा सीट के टिकट को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। देखना यह होगा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर डॉ. जोशी का कितना प्रभाव रहेगा और उसी प्रभाव के आधार पर नाथद्वारा के साथ अन्य टिकट भी तय होंगे। लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में रहने के बावजूद क्षेत्र में सीपी का प्रभाव कायम है।

भीम विधानसभा

भाजपा : विधायक रावत के लिए खतरा

मौजूदा विधायक हरिसिंह रावत के अलावा देवगढ़ के देव जागरण मंच संयोजक अजय सोनी जोर शोर से मैदान में उतर गए हैं। सोनी की दावेदारी से मौजूदा विधायक के टिकट पर खतरा मंडरा रहा है। भाजपा से जयेंद्रसिंह रावत, मंडावर सरपंच प्यारी रावत द्वारा भी दावेदारी जताई जा रही है। भीम व देवगढ़ क्षेत्र में अजय सोनी द्वारा पिछले छह माह से जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। क्योंकि देवगढ़ नगरपालिका चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर सोनी ने बगावत कर सभी वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी उतारे और 5 सीटों पर जीत हासिल की। इसी आधार पर भाजपा से टिकट नहीं मिलने की स्थिति में सोनी फिर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भी मैदान में उतर सकते हैं।

कांग्रेस : पूर्व मंत्री को टिकट की उम्मीद

भीम विधानसभा में कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले पूर्व मंत्री लक्ष्मणसिंह रावत व उनके पुत्र सुदर्शनसिंह दोनों ही कांग्रेस से टिकट मांग रहे हैं। इसके अलावा दावेदारों की कतार में काछबली की कुसुमलता चौहान, दिलीपसिंह सिसोदिया, घनश्यामसिंह, ओमप्रकाश टांक भी शामिल है। काछबली शराबबंदी अभियान में सक्रिय योगदान पर कुसुमलता चौहान का भी क्षेत्र में अच्छा प्रभाव है, जिसके दम पर उन्हें टिकट मिलने की उम्मीद है।

दीपावली की समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
एशियन पेंट्स एण्ड हार्डवेयर्स
asianpaints
पालीवाल मार्केट के सामने, जल चक्की रोड़, कांकरोली-राजसमंद
फोन नं. 02952-225377 मो. 9829923900, 7737144655

डायमण्ड प्रिन्टर्स
शादी कार्ड, निमंत्रण कार्ड, मुण्डन कार्ड, लेटर हेड, पेम्पलेट, बिल बुक, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड, लेबल, पोस्टर, थुलन बेग, फ्लैक्स बनाए जाते हैं।
• मल्टीकलर प्रिन्टिंग • ऑफसेट प्रिन्टिंग • स्क्रीन प्रिन्टिंग
मो. 7891111711, 96166228664 Email : prntdiamond@gmail.com
ग्राउण्ड फ्लोर, सुरभि कॉम्पलेक्स, नाथद्वारा रोड, कांकरोली-राजसमंद

गोवर्द्धन पूजन ही गौ पूजन पर्व है

भारतीय संस्कृति में सात मातृकाओं में एक नाम गौमाता का आता है। प्रथम माता धरती माता (मातृ भूमि), दूसरी माता जननी (जन्म दात्री), तीसरी गुरु पत्नी (गुरु माता), चौथी गौ माता, पांचवीं सासु माता (पत्नी की मां), छठी गंगा माता और सातवीं गायत्री माता (ब्रह्मा की यज्ञ में सहभागिनी) आदि।

प्राचीन परम्पराओं में लक्ष्मीवान उसे ही माना जाता था, जिसके घर में अन्न का भण्डारण होता था। इसीलिए एक कहावत थी–

अन्न- धन सूं भंडार भर्या रै, वीं घर लछमी जाणो।
जीं घर गोवरधन पूजन वे, वो सही ठौर-ठिकाणो।

मानव जीवन के सात प्रकार के सुखों को बोलचाल की भाषा में क्रमशः इस प्रकार से बताए गए है–

पहला सुख निरोगी काया। दूजा सुख घर में वे माया।।
तीजा सुख पुत आज्ञाकारी। चौथा सुख सुशीला नारी।।
पांचवां सुख पंचा में वासा। छठा सुख राज में पासा।।
सातवां सुख वे खेती बाड़ी। गौधन पले, चले गृह गाड़ी।।

उपर्युक्त वर्णित सात सुखों में प्रथम और आखिरी सुख ही सारभूत है। प्रथमतः तो जीव को शरीर से निरोग्यता प्राप्त है और कृषि व पशुपालन से उसे पूर्ण रोजगार प्राप्त होता रहे। यही हमारा प्राचीन मानव जीवन का लक्ष्य था, जो हमारे भारतीय ग्रंथों के द्वारा पूर्वजों ने हमें सिखाया था। यही सतयुग, त्रेता, द्वापर से सतत चला और आज भी इसकी परम्पराओं में छवि कायम बनी हुई है।

दीपावली पर्व मनाने के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई बोध कथाओं का समावेश किया जाता है, जिनमें भी रामजी का लंका विजय पर्व के रूप में, जैनियों के महावीर स्वामी की कथा से, कृषकों का खरीफ की फसल पकने व अन्न धन भण्डारण से व्यापारियों की कलम दवात पूजन से, पशु पालकों का पशु पूजन व गोवर्द्धन पूजन से, गृहस्थियों व गृहणियों का स्वच्छता अभियान व नई वस्तुओं के क्रय से तथा बच्चों का मिठाइयों व पटाखों का लुफ्त उठाने से जुड़ा हुआ है।

दीपावली का पंच दिवसीय त्यौहार धनतेरस, रूपचवदस, लक्ष्मी पूजन, गोवर्द्धन पूजन व अन्नकूट, लूट तथा यम द्वितीया (भाई दूज) तक चलता है। इस त्यौहार को भारत में सभी सम्प्रदाय के लोग भाईचारे के साथ सम्मिलित

त्यौहार का केन्द्र बिन्दु लक्ष्मी पूजन तथा गोवर्द्धन पूजन माना गया है।

मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थों में कर्म, अर्थ, धर्म व मोक्ष माने गए हैं, जिसमें आज हम अर्थ प्रधान जीवन जी रहे हैं। अर्थ (धन) नहीं तो सब कुछ व्यर्थ है। अर्थ ही लक्ष्मी का प्रतीक है और व्यक्ति की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रधान लक्ष्य रहा है। श्री लक्ष्मी समुद्री कन्या व विष्णु भगवान की पत्नी कहा जाता है। श्री लक्ष्मी जगतमाता और ईश्वरी सर्व भूतानाम के रूप में प्रतिष्ठित है। यह चंचला है तथा उलूक वाहिनी है। उल्लू को पंचतंत्र में चतुर और नीति निपुर्ण कहा गया है। उसे रात्रि में दिखाई देता, दिन के प्रकाश में नहीं दिखता यानि ज्ञान का प्रकाश उसे असह्य है। अधिक धन संग्रह करने वाले को भी ज्ञान की बातें पसंद नहीं आती, उसे तो मंदाधता ही सूझती है। लक्ष्मी का आसन कमल है, जिसे कीच ने पैदा किया, किन्तु शुद्ध हवा में स्थिर कर दिया। कमलवत् जीवन जीने वाले व्यक्ति ही लक्ष्मी का सद् उपयोग कर पाते हैं।

लक्ष्मी पूजन के अगले दिन गोवर्द्धन पूजन का पर्व मनाया जाता है, जो भारतीय कृषि संस्कृति का प्रतीक है। इस संस्कृति को द्वापर में श्री कृष्ण ने गोकुल में नन्द बाबा के यहां गाये चराकर लोगों को समझाया था। भागवत में नन्दनन्दन अपने पालक पिता नन्द बाबा को कहते हैं–

नं नः पुरोजनपदा न ग्रामा न गृहा वयम्।
निर्त्यं वनौकसस्ताव वन शैल निवासिनः।।

अर्थात् हे पिताश्री। न तो हम राजा है, न हमारे अधीन जनपद है, न गांव और घर ही हमारे पास है। हम तो सदा के ही वनवासी है। वन और पहाड़ ही हमारे घर है। यहां श्रीकृष्ण अपने को कृषक व पशुपालक तथा वन संपदा के संरक्षक व प्रवर्तक बता रहे हैं। शास्त्रों में श्री कृष्ण अपने को गौ के आगे पीछे व मध्य में स्थित बता रहे हैं–

गावो ममागग्रतो नित्यं गावः पृष्ठतएव च।
गावो में सर्वतश्चैव गवां व साम्य्यम्।।

गौ महत्त्व में पंचगव्य क्रमशः दूध, दही, मक्खना, गोबर एवं गौ मूत्र को वैज्ञानिक दृष्टि से अति स्वास्थ्यवर्द्धक एवं पवित्र मानकर कृषि के विकास हेतु उपयोगी बताया है। इस वैदिक धारणा के कारण भारतीय संस्कृति में गोवर्द्धन पूजन का अत्यधिक प्रचलन ग्रामीणों से लेकर शहरी समाज में अद्यतन चला आया है। गौ मूत्र व गोबर को पवित्र माना जाता है। देवालयों में गोबर से आंगन लीपा जाता है, गौ मूत्र का छिड़काव किया जाता है तथा यज्ञादि समीधा में गाय के ऊपले यानि बिना थैपा कंडा काम में लेते हैं।

विज्ञानवैत्ता बताते हैं कि गाय के मूत्र में रासायनिक कई तत्व मौजूद होते हैं। जैसे– नाइट्रोजन, अमोनिया, कॉपर, मैग्नीज साल्ट, केल्सियम, आयरन, फास्फेट, कार्बोलिक एसिड, सल्फर अमोनिया गैस, पोटाशियम, यूरिया, आरोग्य कारक अम्ल, जल, यूरिक एसिड, सोडियम, विटामीन ए, बी, सी, डी तथा अन्य कई मिनरल्स मौजूद होते हैं। हिप्पूरिक एसिड व स्वर्ण क्षार भी होता है।

इन तमाम उपर्युक्त फहरिस्त के अनुसार तत्वों व एसिडों के कारण गौमूत्र व गोबर कृषि का मिट्टी के लिए उपयोगी व उर्वरा मूलक होते हैं। अतः हम इसकी महत्त्वत्ता को कायम रखने के लिए हर वर्ष गोबर का एक पर्वत बनाकर गोवर्द्धन नाम से पूजते हैं तथा उसे समृद्धि का प्रतीक मान उस गोबर को अन्न के भण्डारण में रखते हैं। रुपयों की तिजोरियों में रखते हैं, उसे श्रद्धा से मस्तक पर चढ़ाते हैं। इसी दिन गांवों में पशुओं व बैलों को स्नान करा शृंगार कर गांव के चौराहे पर पूजते हैं व ढोल बजाकर उन्हें भड़काते हैं। पुष्टीमार्गीय श्रीकृष्ण मन्दिरो में गोवर्द्धन पूजन के दिन गोबर का गोवर्द्धन बना उस पर गन्ना, कपास, फूल, केले के पत्ते लगा दही, दूध, शहद, हल्दी, चंदन, अक्षत से पूजकर आरती उतारते हैं। गायों को मोरपंख के पट्टिये, टोकरो, घुंघरुं, रंग से सजाकर खेंखरा खेलाते हैं। ग्वाल प्रभु दर्शनों में हीड़ गाते हैं। पुजारी, गोस्वामी, मुखिया, ग्वालो का तिलक पूजन कर प्रसाद देते हैं। रात को आदिवासियों को अन्नकूट लुटाया जाता है। घर के द्वारों पर गृहणियां गोबर के गोवर्द्धनजी बनाकर पूजती है तथा उसे गाय से रौंदवा कर प्रसाद ग्रहण करती है।

वर्तमान में कृषि में बैलों का उपयोग हल, चड़स, रहट में कम हो जाने व मशीनों के आ जाने से हमारे बैल, पाडे आदि पशु सड़कों व मशीनों के आ जाने से हमारे बैल, पाड़े आदि पशु सड़कों पर मारे मारे फिर रहे हैं। गोबर के खाद की जगह रासायनिक खादों में प्रयोग व कीटनाशी रसायनों से मिट्टी की उर्वरकता तो कम हुई है। साथ ही हमारी फसलों में जहरीले तत्वों का समावेश हो गया है। सभी सब्जियां, फल जहरीले पाउडर व केमिकल्स से पकाए जा रहे हैं। गायों– भैंसो को यूरिया युक्त पशु आहार दिया जा रहा है तथा इंजेक्शन से उनके थनों से दूध को खींचा जा रहा है।

यदि समय रहते हम गौधन व पंचगव्यों की रक्षा नहीं कर सके, तो आने वाली हमारी नश्ले स्लो पोइजन की शिकार होकर बीमारियों के चंगुल से न बच पाएगी। वो भविष्य कैसा भयावक होगा, जिसकी कल्पना मात्र ही हमारे रोंगटे खड़ा कर देता है। प्रभु हमें सद्बुद्धि दें और हम समय रहते ही चेत जाए।

फतहलाल गुर्जर अनोखा
वरिष्ठ साहित्यकार, इतिहासकार
संस्थापक श्री द्वारकेश
राष्ट्रीय साहित्यकार परिषद कांकरोली

कम समय में आशिर्वाद हॉस्पीटल ने जीता मरीजों का विश्वास

राजसमंद. शहर के 50 फीट रोड पर स्थित आशिर्वाद हॉस्पीटल की डॉ. दर्शना व्यास सिंगला एक सरल एवं नेकदिल स्त्री रोग विशेषज्ञा है, जो पीड़ित वर्ग के प्रति हमेशा सहानुभूति और सेवा का जज्बा रखती है। इसी उद्देश्य को लेकर डॉ. दर्शना एवं जिवेश व्यास ने आशिर्वाद हॉस्पीटल की शुरुआत की। राजसमंद जिले में सर्वप्रथम **कलर 4डी सोनोग्राफी** मशीन की सुविधा किफायती दरों में प्रारंभ हुई। शहर में 4 डी कलर सोनोग्राफी उपलब्ध होने से राजसमंद शहरवासियों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिल रहा है। अब तक मरीजों को कलर सोनोग्राफी के लिए उदयपुर या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था। अब राजसमंद शहर में यह सुविधा मिलने से आमजन को समय व धन की बचत हो रही है। हॉस्पीटल प्रारंभ हुए अभी कुछ ही माह हुए है। फिर भी सैकड़ों मरीज इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। डॉ. दर्शना विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन हॉस्पीटल में कर चुकी है। इनमें प्रमुख है, एक्टोपिक प्रेग्नेंसी (फेलोपियन ट्यूब में बच्चे का बढ़ना), के लेप्रोटॉमी ऑपरेशन, वेजाइनल हिस्टेक्टॉमी, एब्डोमिनल हिस्टेक्टॉमी, सिस्टेक्टॉमी व सिजेरियन ऑपरेशन आदि। डॉ. दर्शना द्वारा गर्भवती महिलाओं के सामान्य प्रसव पर ही जोर दिया जाता है। कई मरीजों के सिस्ट के सफल इलाज दवाइयों से किए हैं। इसलिए आशिर्वाद हॉस्पीटल ने कम समय में काफी प्रसिद्धि हासिल की है।

संशोधन

जयवर्द्धन के अक्टूबर 2018 के अंक में ग्रामयात्रा पीपरड़ा की हेल्पलाइन में पकंजसिंह कड़ेचा 94141-73249 का नाम त्रुटिवश कांग्रेस कार्यकर्ता की सूची में प्रकाशित हो गया था, जिसे भाजपा की सूची में पढ़ा जाए। उल्लेखनीय है कि कड़ेचा लम्बे समय से भाजपा के कार्यकर्ता है।

लक्ष्मी टिम्बर मार्ट
मीठालाल बोलीवाल
76654-10815
ईमारती लकड़ी, सागवान, साल, लाली, कपूर, पाइन,
प्लाईवुड, दरवाजा-फ्लस डोर, सनमाईक इत्यादि के होलसेल के विक्रेता
सोमको टायर के पास, लक्ष्मी कॉलोनी, 100 फीट रोड, जिला-राजसमंद

ज्योति पर्व दीपावली की
समस्त जिलेवासियों को
हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं
राव मदनसिंह सेवालिया
ठि. देवाणा, राजसमंद
श्री सांवलिया कन्स्ट्रक्शन
AA Class PWD Govt. Contractor

कविता संग्रह 'शब्द स्वर' का लोकार्पण

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

राजसमंद की लोकप्रिय मासिक पत्रिका
जयवर्द्धन
की वार्षिक बुकिंग सिर्फ 150/- में
अपना पता मैसेज करें - 94142-39648

राजसमंद. प्रसिद्ध कवि राधेश्याम सरावगी 'मसूदिया' के प्रथम कविता संग्रह 'शब्द स्वर' के लोकार्पण का भव्य आयोजन गांधी सेवा सदन राजसमंद के सभागार में 28 अक्टूबर को आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि साहित्यिक पत्रिका समहुत के संपादक डॉ अमरेंद्र मिश्र थे। अध्यक्षता कवि गीतकार त्रिलोकीमोहन पुरोहित और विशिष्ट अतिथि कवि कथाकार एवं उपन्यासकार कमर मेवाड़ी एवं माधव नागदा थे।

डॉ. अमरेंद्र मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजेंद्र सरावगी की कविताएं कवि की काव्यगत परिवेश से उपजी संस्कार सर्जना के माध्यम से प्रस्फूटित हुई है, जिनमें बचपन की स्मृतियां है। माता-पिता है और उनके प्रति सादर समर्पण है। इसी तरह साहित्यकार कमर मेवाड़ी ने कहा कि शब्द स्वर का कवि पाश्चात्य शैली और लक्ष्यहीन इच्छाओं से परे एक मंगलमय प्रभात की कल्पना करता है।

टूटते परिवारों को और मानव से मानव को जोड़ने की पहल करता है, ताकि समाज में व्याप्त प्रदूषण समाप्त हो सके। समारोह में शेख अब्दुल हमीद को सैयद कमाल शाह घायल सम्मान, दुर्गाशंकर मधु को श्रीदाम सुदाम सम्मान, डॉ. भगवानलाल बंशीवाल को पंडित लक्ष्मीनारायण शास्त्री सम्मान, ज्योत्स्ना पोखरना को श्री मोहन भाई जैन सम्मान, गोविंदसिंह चौहान को श्रीकंठमणि शास्त्री सम्मान, सोहनलाल मालीवाल को श्री गोकुलानंद तैलंग सम्मान तथा जितेंद्र सनाढ्य को कवि श्री घनश्याम स्मृति सम्मान प्रदान किए गए। समारोह में राजस्थान साहित्यकार परिषद, साकेत साहित्य संस्थान, श्री द्वारकेश राष्ट्रीय साहित्य परिषद, काव्य गोष्ठी मंच, तरुण साहित्य संगम के कमलकारों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति ने समारोह में चार चांद लगा दिए। इस दौरान नीरज सरावगी, धीरज सरावगी आदि मौजूद थे।

ज्योति पर्व दीपावली
की समस्त
नगरवासियों एवं
जिलेवासियों को
हार्दिक
बधाई
एवं शुभकामनाएं
श्री सुरेशचन्द्र पालीवाल
सभापति
नगर परिषद राजसमंद

कन्या भ्रूण हत्या का विरोध करती लघु फिल्म 'डॉटर'

राजसमंद. साउंड एंड वेव्ज की टीम ने राजसमंद से पहल की लघु फिल्म निर्माण की। इसके तहत पूर्व में लवर्स लघु फिल्म रिलीज हो चुकी है और वर्तमान में इस टीम ने कन्या भ्रूण हत्या के अभिशाप को दर्शाती फिल्म डॉटर का निर्माण किया है, जिसे यू ट्यूब पर आमजन द्वारा काफी सराहा जा रहा है।

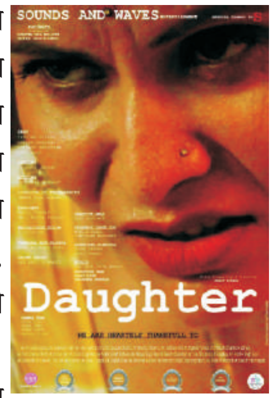

इस फिल्म के निर्देशक मनोज पोरवाड़ है। इसके कलाकार प्रतिभा नीकोसे, आर्यन बैरागी, बंकेश सनाढ्य, आशा नायक है। इस फिल्म में विशेष सहयोग डॉ. आनन्द श्रीवास्तव, गजेन्द्र वैष्णव, श्याम शर्मा, सौरभ शर्मा, भूषण शर्मा, प्रेमशंकर भट्ट, प्रकाश वैष्णव, डॉ. सुमन वैष्णव, कमल जैन, विपुल तायल, मनीषसिंह राठौड़, प्रमोद पालीवाल, अभयसिंह राव, हरदेवसिंह गौड़ आदि का रहा है। इस क्षेत्र में राजसमंद की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

प्राथमिक सुविधाओं के इंतजार में भीम

हीरालाल @ भीम
liverajsamand.com

अपेक्षाकृत आनुपातिक रूप से विकास के मामले में 21वीं सदी तक पहुंचकर भी तकनीकी दृष्टि से बैकफुट पर पड़ा भीम देवगढ़ विधानसभा क्षेत्र आजादी के 70 वर्ष बाद भी समुचित सुधार की गुहार लिए है। यह क्षेत्र सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं से महरूम है। जनजीवन सामान्य स्तर से ऊपर नहीं उठ पाया है। राजनेता जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि आते हैं जो प्रजा के सेवक कम, स्वयंसेवक ज्यादा बन जाते हैं। स्वच्छ व पारदर्शी प्रशासन सियासत का जुमला खिल्ली उड़ाता प्रतीत होता है। कमीशनखोरी, रिश्वतखोरी, आजाद हिंदुस्तान के बड़े राक्षस हैं, जो पग-पग पर निगलने के लिए आतुर रहते हैं। भीम विधानसभा क्षेत्र ही नहीं करीब करीब पूरा मुल्क की विकृतियों की चपेट में है। मीडिया ने जन जागृति हक व इंसाफ की लड़ाई लड़ने का बीड़ा उठाया तो उन्हें भी माकूल कामयाबी नहीं मिली है। इस क्षेत्र का दुर्भाग्य है पिछड़ेपन का अभिशाप भी है कि वर्षों बाद भी आधारभूत सुविधाओं से महरूम है।

भीम देवगढ़ कस्बे के मुख्य बाजार अतिक्रमण, यातायात, गंदगी, बेतरतीब पार्किंग और आवारा मवेशी से परेशान है। कई बार इंद्र देवता मेहरबान नहीं हो, तो पेयजल की बड़ी किल्लत पैदा हो जाती है। स्वच्छ भारत का नारा गली मोहल्लों में मजाक उड़ाता प्रतीत होता है। सीवरेज पाइप लाइन की व्यवस्था नहीं है। नालियां व्यवस्थित नहीं बनी हुई है। कस्बे व गांव का योजनाबद्ध विकास किसी मास्टर प्लान के तहत नहीं किया जाता है, जिससे इस वैज्ञानिक सदी में स्मार्ट सिटी की अवधारणा फलीभूत नहीं हो पा रही है। डंपिंग यार्ड नहीं बने होने से कचरे का विसर्जन खाली जगह देखकर कहीं भी किया जाता रहता है, जिससे प्रदूषण फैलता रहता है।

भीम देवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों की सरकारी जमीन पर जिसकी लाठी उसकी भैंस की तरह नाजायज काबिज हो गए हैं, जिनके फर्जी पट्टे ग्राम पंचायतों द्वारा जारी किए जाते हैं, जिससे भू माफिया के हौसले बुलंद हैं। आधारभूत सुविधा नहीं मिलने से अरमान पूरे नहीं होने पर क्षेत्र के युवा क्राइम की ओर दिशा में प्रवृत्त होता है। चिकित्सालय में स्वीकृत पदों पर पोस्टिंग नहीं किए जाने से बरसों से मरीजों को अन्य हायर सेंटर रेफर किया जाता है और धड़ल्ले से प्राइवेट चिकित्सकों की चांदी हो रही है। डॉक्टर सरकारी नौकरी का ध्यान कम रखते हुए निजी चिकित्सालय खोलना अधिक पसंद करते हैं। भीम कस्बे के व्यस्ततम इलाकों में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। सड़कों पर दूर तक अस्थाई अतिक्रमण रहता है राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियमित निर्माण के चलते सड़कों पर पानी फैलता है। गंदगी का अंबार लग जाता है।

कस्बे में कहीं भी पेशाबघर, सुलभ कॉम्पलेक्स नहीं है। महिला शौचालय नहीं होने से महिलाओं को परेशानी होती है। भीम व देवगढ़ कस्बे के करीब 5 से 10 किलोमीटर दूरी पर अन्य ग्राम पंचायतों में चंबल जल परियोजना द्वारा पेयजल की सप्लाई हो रही है, लेकिन भीम विधानसभा क्षेत्र के कई गांव अभी भी पेयजल की किल्लत से जूझ रहे हैं । उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यहां कोई एसटीसी, बीएड कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई सेंटर नहीं हैं और राजकीय महाविद्यालय में विज्ञान, कॉमर्स, संकाय नहीं है, जिससे सैकड़ों विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में दूरदराज इलाकों से अन्य शिक्षण संस्थानों में प्रवेश होने को मजबूर होना पड़ता है।

राजस्थान पत्रिका,
दैनिक भास्कर के साथ सभी
अखबारों में विज्ञापन
प्रकाशित कराने का एकमात्र स्थान
शक्ति एडवरटाइजिंग

सभी प्रकार की खेलकूद सामग्री मिलने का राजसमंद में एकमात्र स्थान
शक्ति स्पोर्ट्स
शास्त्री मार्केट, कांकरोली (राजसमंद)
94142-39648, 94144-73275

उदयपुर, जयपुर, जोधपुर क्यों आपके शहर में सर्वश्रेष्ठ मंच
राजसमन्द में पहली बार सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी एक ही मंच पर
संकल्प कोचिंग क्लासेज
रेनबो कलर लेब, छतरियों के पास, कांकरोली
:: संकल्प टीम ::
रिजनिंग - राकेश चौधरी, जितेन्द्र मीणा सर, जयपुर
शिक्षा मनोविज्ञान - सुरेन्द्र सांगवान सर, D.K. सिंघल
राजनीति विज्ञान - ओ.पी. सर, (संरक्षक), सुमेर सर
मैथ- जितेन्द्रजी, जयनारायणजी, संस्कृत - राजौरियाजी
हिन्दी - महेन्द्रजी झांझड़िया, श्रीमाली सर, उदयपुर
राजस्थान की कहानी - एस.एस. बैंसला की जुबानी
इतिहास- दीपकजी करोल, प्रदीप सर
साइंस - राजेन्द्रजी सोढ़ा सर, (गंगानगर)
अंग्रेजी - नन्दवानाजी, रेखाजी चावला
भूगोल - राजेन्द्र राठौड़ सर उदयपुर, अनिल दुल्लड़ सर
रतन सर-निदेशक
सभी प्रकार के कॉम्पिटीशन की तैयारी करवाई जाती हैं।
संरक्षक - O.P. सर मो. 9929728005, 8769820124, 9116987112

दीपावली के मंगल पर्व पर हार्दिक
शुभकामनाएें। ये नूतन वर्ष आपको सुख और समृद्धि से परिपूर्ण करें।
HAPPY
DIWALI
जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

दीपोत्सव पर समस्त राजसमंद वासियों को
शिवसेना की तरफ हार्दिक शुभकामनाएं
शिवसेना
हेमन्त गुर्जर
जिला प्रमुख शिव सेना-राजसमंद
मनीष पालीवाल
जिला प्रमुख युवा सेना-राजसमंद
मनोज पालीवाल
नगर प्रमुख शिवसेना-राजसमंद
तुलसीराम कुमावत
जिला सचिव शिवसेना-राजसमंद
संदेश पगारिया
जिला प्रमुख व्यापार सेना-राजसमंद
जयंत पालीवाल
उप जिला प्रमुख, शिवसेना राजसमंद
मुकेश शर्मा
उप जिला प्रमुख, शिवसेना नाथद्वारा
समस्त कार्यकर्ता शिव सेना-राजसमंद

राजनीतिक चटर-पटर

राजनीति में आ गयो, आरक्षण रो जिन्न।
भेदभाव बढ़ा दीयो, वोट बैंक ता धीन्न।।
जात- धर्म भेद बढ़्यो, हुओ संबंध क्षीण।
जनमानस आहत हुयो, हुआ उत्तर दक्षिण।।
लाय लगा दी देश में, बलिया सब उपदेश।
अराजकता बढ़ताई, भरीया राग द्वेश।।

शराफत के लबादे से, ढके उसूल अपने।
लोगों ने पागल समझ, सौ छेद कर डाले।।
राजनीति की सड़क पे, दौड़ते सरपट सब।
लगा अड़ंगी गिर रहे, जो आगे जाए तब।।
राजनीति के खेल में, खेले नेता यार।
जनता तो फुटबॉल सी, लुढ़के बारम्बार।।
मौन हुआ कानून है, बनती कैसे बात।
कौरव सेना बन गई, नेताओं की जात।।
स्वार्थनीति से आज भी, जिनकी होती जीत।
लोकतंत्र की भावना, वादों के विपरीत।।
अखियन पट्टी बांध के, लाठी पकड़ी हाथ।
अंधा अब कानून है, भैंस चली है साथ।।
ग्राजनीति इक खेल है, ठगे बदल के वेश।
जनता है तकलीफमें, पर यह करते ऐश।।
ताकत तुम मतदान की, मत समझो बेकार।
सही चुनो सच्चा चुनो, ये सबका अधिकार।।
ग्राजसिंहासन बैठकर, सबको भत्ता देय।
सब संबंधी खुश यहां, बंगला गाड़ी लेय।।

हिस्ट्रीशीटर बन गए, सांसद देखो यार।
जागो वोटर देश के, मत दो सोच विचार।।
नोट वोट के मेल से, लोकतंत्र लाचार।
झूठ बोलते चीखते, है चुनाव व्यापार।।
ओढ़े झीना आवरण, अन्तःकरण विहीन।
धारण करलो लाज को, रहो ना लज्जहीन।।
लोकतंत्र की नाव में, छेद है अपरम्पार।
भंवर जाल फंस गई, डूबे अब मझधार।।

राजनीति में आ गयो, आरक्षण रो जिन्न।
भेदभाव बढ़ा दीयो, वोट बैंक ता धीन्न।।

जात- धर्म भेद बढ़्यो, हुओ संबंध क्षीण।
जनमानस आहत हुयो, हुआ उत्तर दक्षिण।।
लाय लगा दी देश में, बलिया सब उपदेश।
अराजकता बढ़ताई, भरीया राग द्वेश।।
जनता के तो पास में, सिर्फ वोट अधिकार।
सोच समझ के बाद भी, लुटती है हर बार।।
राजनीति के खेल में, सूरत बदले यार।
चाल चरित्र वहीं रहेगा, कोई हो सरकार।।
चल पड़ते हैं कारवां, देख चुनावी साल।
जोड़- तोड़ में भीड़ गए, जुगाड़ सपना पाल।।
देखी रेलमपेल मैं, जयपुर के बाज़ार।
बायोडाटा हाथ में, धोके है दरबार।।
विधायकी की दौड़ में, लम्बी लगी कतार।
छिछड़े दिखे स्वप्न में, बिल्ली के भरतार।।

है पंचवर्षीय पलीता, जनता करे चित्कार।
धीमी-धीमी आंच पर, ले रोटी आकार।।
भाषण चाटन होएगा, आश्वासन हर बार।
दारू दमड़ी धाक में, वोटर की है हार।।
राजनीति तो नंगी है, अन्तःवस्त्र विहीन।
झीना झीना आवरण, गंदी लज्जहीन।।

गोविंदसिंह चौहान
भागावड़, भीम
मो. 9783207045

न्यू ग्रीन ढाबा
शुद्ध शाकाहारी
सरदार जगपालसिंह - 95711 45101, सरदार हरप्रीतसिंह - 99289 04705
राष्ट्रीय राजमार्ग 8, पीपरड़ा (भट्टा), जिला राजसमंद

लुटती रही जनता हर बार

देख चुनावी टाईम को, हलचल मची है चहुंओर
घर घर धोके प्रत्याशी, धोवे हाथ से पोठी की ठौर
मतदाता तो आज लगे, अपने तो मां अर बाप
गरज बावली हो गई, अब कहे गधे को आप

सत्ता के मद में डूबकर रहे, जनता से बहुत दूर
नानी याद आने लगी, अब हर वोटर लगे कोहिनूर
निकल पड़े हैं चेले चमचे, नहा धोकर नेता के साथ
वफादारी दिखा रहे हैं, देकर बेचारे कुत्तों के लात

आचार संहिता लग गई, विधायक हुए बेकार
शर्म वर्म तो मर गई, निकलेंगे फिर बाहर
खूब कमाए पांच साल, अब आएंगे वो काम
करके झूठे वादे- बवाल, फिर बाटेंगे दारू दाम

चमचों की निकल पड़ी, अब गाएंगे गीत हजार
तीन महीने बुक रहेंगे, ये चढ़ा चुनावी बुखार
दारू दमड़ी रोज की, भोजन मिले भरपूर
चुनावों की भीड़ में, अब नाचेंगे सब लंगूर

गांव गांव गली मौहल्ले, अब छा जाएगी बहार
कुत्ते सारे छुप जाऐंगे, भौंकने नस्ल नई तैयार
चुनावों के इस खेल में, लुटती रही जनता हर बार
रोटी छीनी कुत्तों से, दे दो भेड़ियें को इस बार।

लक्ष्मी का वरदान है बेटी

घर के गुलिस्तां में महकता गुलाब है बेटी
खुदा का एक खूबसूरत खयाल है बेटी।
लाखो सितारों की रोशनी
के सामने वो चमकता चांद है बेटी
सवेरे निकली धूप सी, लालिमा लिये प्रकाश है बेटी
गीली मिट्टी की सौंधी, खुशबू सा अहसास है बेटी
दो अजनबी परिवारों को जोड़ने की कड़ी खास है बेटी
बहू की नजर से ढूँढती दुनिया की तलाश है बेटी।
ताउम्र आँखों में बसे वो ख्वाब है बेटी
मां- बाप के संस्कारों से भरी इक किताब है बेटी
सुख समृद्धि का प्रतीक साक्षात लक्ष्मी का वरदान है बेटी
लाख पुण्यों के बाद मिलता दीक्षित, ईश्वर का अनुपम उपहार है बेटी

सूर्य प्रकाश दीक्षित
काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली

मी-टू, मी-टू के चक्कर में

औरत की चाहत के खातिर
क्या मर्द यहां बदनाम हुए
या इन्द्रियों के वशीभूत
वो खुद ही खुद में जाम हुए
काम वासना के ही खातिर
शायद यह इंतजाम हुए
रोज लड़ाई रोज हैं दारू
देखो कितने काम हुए।

कभी तो बच्ची, कभी कुंवारी
कभी हां विधवा ताड़ी हैं
मर्दानगी के पंगु चैचिस पर
मानसिक विकृत गाड़ी हैं
बहुत दिखाई जन्म पत्रिका
कभी ना नापी नाड़ी हैं
हाथों की सुन्दर रेखा में
कामुक रेखा आड़ी हैं।

अच्छें वर की चाहत में
माँ-बाप यहां पर मग्न हुए
दहेज प्रथा के बल पर ही
अच्छे अच्छों के लग्न हुए
रिश्तों के सारे आलिंगन
आज कामुकता की अग्न हुए
सरेआम खड़े जो सफेदपोश
लो बीच राह में नग्न हुए।

शोषित नारी के नाम पर
यहां कई कैम्पेन हुए
रात ढले वो सारे मुद्दे
रम स्कॉच शैम्पेन हुए
महिला लाज बचाने खातिर
जितने भी ही मैन हुए
मी-टू, मी-टू के चक्कर में
वो सब बूढ़े बेडमैन हूए।

दुष्यंत कुमार ओझा
कवि उदयपुर,
मो. 9214363088

'जय श्री गौराजी बावजी' 'श्री गणेशाय नमः' 'जय श्री कालाजी बावजी'

श्री तुलसी ट्रेडर्स

बिरला सम्राट
चेतक
सीमेंट

हमारे यहां सीमेंट
सफेद सीमेंट, चिप्स मिलती हैं।

संजय टाक	कन्हैयालाल टाक	किशन टाक
8078681308	9214440558	9413830218

100 फीट रोड, राजसमन्द, जिला-राजसमंद 313324

कन्हैयालाल टाक

ज्योति पर्व दीपावली की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पानी टेंकर, रेती, पत्थर, गिट्टी, क्रेशर गिट्टी, ईंटे व भराव एवं सभी प्रकार के बिल्डिंग मेटेरियल के लिए सम्पर्क करें।

Contact :

Kanhaiya Lal Tak	Manish Tak
9571290408	9214440557
9214440558	8003237980

श्री गोराजी कालाजी कन्स्ट्रक्शन

civil contractor PWD MCR rajsamand

तुलसी विहार 100 फीट रोड, राजसमंद, जिला-राजसमन्द

देखा देखी री भगती

दसरावा- दीवाली रा दन आवताई न बजार में नुवी रंगत आई जावै। भेंट अर उपहारां रा विज्ञापन कतराई मनखा रे उमावा ने फदकावा लागे। मोबाइल मोटरसाईकला लावा म्हे तो अबकाई नी आवै, पण कार लावां में घणों आगो पाछो होचणो पड़े। इण्डी भिण्डी कारां रड़कावै न हाऊज कमावतो मिनख फटफटियो ईज चलावै तो हाथे रेवा वाला मसखरी करे न छोलका पाड़ी न वाऊ परो करे। काठी छाती करी, हतरे दाण आगो पाछो होची, पूरो कस काटो लगाई न हिम्मतियों नुवी मारुति कार लेई आयो।

पांच पन्दरा दन गाड़ी घर रा बारणे ऊबी री। अबे वणी रो चेतो काम में कम लागे अर कार चलावा रा गुंथाड़ा में वत्तो। हींग लागे न फटकरी रंग आवे चोखो री होच हिम्मतियां रे भेजा में ठाबंद बैठी ही। डराइविंग अस्कूल वाला तो हीकावा रा रिप्या लेवे। अणीऊं वचवा रो जुगाड़ वणी मलवा वालाऊं कार हीकवा रो परो कीधो। घर रे एक माड़ी पलेन पटपटा पै कार चलावा लेई ग्या। मलवा वाला उस्ताद हीकावा पेली कियो क कश्यी भी गाड़ी चलावा म्हे भेजो ठंडो राखणों, गेर बदलती वेला कलच पूरो दबावणो, रेस माथे पग फोरो ईज रेवणो चावै। आगतरो चलावा में कार कांतरी वैवता देर नी लागेला। गाड़ी अर लाड़ी अचन-अचन राखणी पड़े है।

हिम्मतिया रे कार चलावा म्हे अबकाई कम आवती, पण डराईव करता बाजारऊं निकलती टेम लोगा ऊं जै रामजी करणी न भीड़- भाड़ धूजणी छूटती। पेट्रोल भरावती वेला खीसा मुं गणती रो पांच सौ रो नोट कम परो पड़तो। कार चलावणो तो मावरा म्हे आई ग्यो, पण लाइ आपाणी लगाई अर टाबरा ने घुमावा फरावा बारणे नी ले जाई सके। कैवे म्हारो हाथ अतरो साफ कोनी।

एक बरस म्हे कार नी रे बरोबर चाली न अगला वरस रा बीमा रे वाते कागद आई पूग्यो। चार पेड़ा री गाड़ी रे बीमा रा हजारो रिप्या लागवा रा होच ऊं हिम्मतिया ने भमलेटी आई गी। गाड़ी चाले तो खरचो न ऊबी रे तोई खरचो। हिम्मतिये ऊंडो विचार कीदो, वल चालै लाग्यो। अबेई गाड़ी वेची न काम करो पक्को, पाई लागे न टक्को।

नगेन्द्र कुमार मेहता
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार
नाथद्वारा 98299-60055

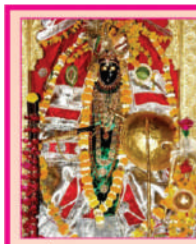

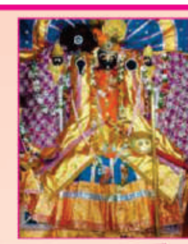

क्षेत्रवासियों को प्रकाश पर्व
दीपावली की शुभकामनाएं

मतदान की अपील

क्षेत्र के विकास के लिए मतदान करना जरूरी है। आपका वोट ही क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सड़क, पानी, बिजली समेत अन्य स्थानीय समस्याओं को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधि को चुनना है। लेकिन इसके लिए मतदान करने जरूर जाएं। अपने आस-पास के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करें।

विकास दवे
सरपंच-ग्रा.पं. सेवंत्री

जमनालाल पण्ड्या
उप सरपंच-ग्रा.पं. सेवंत्री

ग्राम विकास अधिकारी : भगवान सहाय

वार्डपंच : मंगला देवी दवे, अम्बालाल भील, कालुलाल ओड़, रोशनदेवी, रमेश तिवाड़ी, मीरादेवी, नारायण मेघवाल, सोसरदेवी, पुष्पादेवी एवं समस्त ग्रामवासी

ग्राम पंचायत सेवन्त्री, पं.स. कुंभलगढ़

तीखी मिर्ची

टिकट के दावेदार

विजय शर्मा @ राजसमंद
liverajsamand.com 94142-39648

अभी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, तो गली मोहल्ले, बस, रेलवे स्टेशन, पान के गल्ले से चाय की थड़ी तक सब जगह विधायक के टिकट वितरण की संभावित सूची पर चर्चा हो रही है। हर आदमी अपने अपने कयास लगा रहा है। चर्चाओं में कहीं लोग अपने आप को राजनीति का धुरंधर घोषित करने में लगे हैं। बस में भी कंडक्टर द्वारा बार-बार कहने के बावजूद जिसने टिकट नहीं लिया, वह भी अब विधायक के टिकट की दावेदारी कर रहा है। शहर की पालिका में जितने पार्षद है, उससे ज्यादा तो विधायक की टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। सभी दावेदार अपने अपने मजबूत पक्ष बताकर पार्टी के सामने पेश हो रहे हैं। जनता भी आजकल इन नेताओं को देखकर बड़ी खुश है। क्योंकि अक्सर जनता इन नेताओं के सामने हाथ फैलाकर खड़ी रहती है, तो अब नेताओ को भी टिकट और वोट के लिए लाचार देखकर कर बडा आनंद आ रहा है। इन सभी नेताओं के चेहरे भी इन दिनों बड़े मासूम हो जाते हैं। वो नेता जो कभी गाड़ी से नीचे भी नहीं उतरता था, वो आजकल किसी के हाथ जोड़ रहा है, तो किसी के पैर पकड़ रहा है। कोई नेता आजकल पंडितों से कुण्डली में राज योग तलाश रहे हैं, तो कोई मन्दिरों में मन्नते कर रहे हैं। अब इन टिकट मांगने वाले दावेदारों के दावे भी बड़े दिलचस्प है।

हमारे एक नेता बिल्लूजी जो अक्सर चुनावी सभाओं में जाजम बिछाते थे। उनकी बात उनके घर में भी कोई नहीं सुनता, मगर उन्हें आशा है कि पार्टी उनकी बात सुनेगी। आजकल वो लोगों को रोक रोक कर सबको यही कह रहे हैं कि देखो मैं 20 साल से पार्टी की जाजम बिछा रहा हूं। कई लोगों को मैंने इस जाजम पर बिठाया है। इसी जाजम पर सभा करके कहीं लोग विधायक बने, तो क्या मैं नहीं बन सकता। अब सुनिए दूसरे दावेदार पीकेजी जिनका पार्टी से 50 साल पुराना रिश्ता हैं। वैसे इनकी उम्र भी अभी 30 की है, मगर इनके दादा जी इस गांव के कभी वार्डपंच रहे और पिताजी ने प्रोग्रेस कर सरपंच बने। गांव की सेवा करते करते इनके परिवार में अच्छी खासी प्रॉपर्टी बनी। अब पीकेजी समाजसेवा में आजकल कई शराब के ठेके चला रहे हैं, मगर वे सरपंच और वार्डपंच जैसे छोटे पद पर रहकर अपने परिवार की गरिमा को तो नहीं गिरा सकते। अब उन्हें कोई बड़ा पद चाहिए। क्योंकि हर चुनाव में शराब वितरण का कार्य यही संभालते आये हैं, तो अब पार्टी से टिकट तो बनता ही है।

तीसरे नेताजी दब्बूजी जो तो अभी अभी राजनीति में लॉन्च हुए। अभी 6 महीने पहले ही मुंबई से अपना कारोबार नौकरों के भरोसे छोड़कर शहर में छोटी मोटी समाजसेवा कर फोटो खिंचवाने लगे। अखबार में कभी जन्माष्टमी की बधाई तो फिर 15 अगस्त की बधाई, कभी गणेश चतुर्थी की तो अब नवरात्रि की बधाई के मोटे मोटे विज्ञापन छपा कर हर गली मोहल्ले में फेमस हो गए। हर बड़े चौराहे पर अपने बड़े बड़े होर्डिंग्स लगाकर दब्बू जी अपना दबा हुआ चेहरा आते जाते राहगिरों को दिखाने लगे। अब चुनाव आया तो दब्बूजी की दबी जुबान से टिकट की डिमांड हुई। दब्बूजी पार्टी फंड में मोटी रकम जमा कराने को भी तैयार हो गए, तो लोग कहने लगे इस बार तो शायद अपनी दौलत के दम पर दब्बू जी ही टिकट खरीद पाएंगे।

अब चौथे वयोवृद्ध नेता सुस्तीलाल जो दो-तीन बार विधायक रह चुके हैं, मगर सुस्ती के कारण सत्ता सुख लेकर भी घर से बहुत कम बाहर निकलते थे। जनता को तो महीनों तक उनके दर्शन नहीं होते थे, मगर उन्होंने विधायक रहकर भी सरकार का एक रुपया तक नहीं खाया। क्योंकि उन्होंने कुछ काम भी नहीं कराया और इसी ईमानदारी के दम पर वो फिर टिकट मांग रहे हैं और जिस जनता ने उन्हें सिर आंखों पर बिठाया, उसी जनता के माथे पर मरते दम तक पड़े रहना चाहते हैं।

अब रहे पांचवे दावेदार बाबा जी। बाबा ओगड़मल जो जंगल में अब तक कुटिया में रहते थे, जहां अक्सर नेता अपनी जीत का आशिर्वाद लेने जाते थे। आशीर्वाद देते देते बाबा के मन में भी राजनीति का चस्का लगा, तो उन्हीं नेताओं के बाबा ने पैर पकड़ लिए और क्षेत्र में खुद के टिकट की मांग कर बैठे। अब तक जनता बाबा के पैर पकड़ती थी, मगर अब वोट के लिए बाबा जनता के हाथ जोड़ रहे हैं।

अब देखना यह है कि इस चुनाव में लड़ने का मौका किस नेता को मिलता है और किस नेता की किस्मत बदलती हैं। रही बात जनता की तो कोई भी नेता बदल जाये, उसकी किस्मत तो नहीं बदलने वाली और उसे तो अपने हालात से रोज लड़ना ही है।

दीवाली अमीरों की दीवाला गरीबों का

दीये खुशी के जलाओ, तुम्हें जलते दिलों से क्या ?
हसरतें पूरी कर लो तुम, तुम्हें मिटते दिलों से क्या ?
गरीबों की उमंगों को, डूबो दोगम के दरिया में
करो आबाद महलों को, तुम्हें गिरते मकां से क्या ?
संवारों इस तरह से कुछ तुम अपने आशियाने को,
कि फिके हों मकां सबके तुम्हें उनके निशां से क्या ?
तुम्हारी रोज दिवाली, हर एक रात उजयाली,
मनाओ रोज दीवाली, तुम्हें मरते दिलों से क्या ?
अमीरों की दीवाली है, गरीबों के दिवालों से
यही तो राज है अफजल, मनाएं हम दीवाली क्या ?

अफजल खां अफजल
जलचक्की, सलूस रोड कांकरोली
मो. 98284-75288

चुनावी चुटकुले

नेताजी ने दिल्ली में करीब एक हफ्ते से डेरा डाल रखा था। उनके साथ आई उनकी पत्नी ने दिन उकता कर पूछ ही लिया। आखिर बात क्या है कि आप चलने का नाम ही नहीं ले रहे हैं।

नेताजी ने पत्नी से कहा- अरे भाग्यवान ! मुझे चुनाव लड़ने के लिए टिकट चाहिए।

पत्नी बोली- वाहजी मुझे ही बेवकूफ बना रहे हो।

रेल हो या टोल हो, सिनेमाघर सब जगह बिना टिकट ही जाते हो फिर चुनाव के लिए भला क्यों ?

नेता का बेटा पापा मुझे भी राजनीति में उतरना है, टिप्स दीजिए ?

नेता : बेटा राजनीति के तीन कठोर नियम होते हैं, चलो पहला नियम समझाता हूं। नेताजी ने बेटे को छत पर भेज दिया और खुद नीचे आकर खड़े हो गए। नेताजी बेटा छत से नीचे कूद जाओ। बेटा पापा इतनी ऊंचाई से छलांग लगाई, तो हाथ पैर टूट जाएंगे।

नेताजी : बेहिजक कूद जा, मैं हूं न, पकड़ लूंगा।

लड़के ने हिम्मत दिखाई और कूद गया, पर नेताजी नीचे से हट गए। बेटा धड़ाम से औंधे मुंह गिरा।

बेटा कराहते हुए, आपने तो कहा था मुझे पकड़ लेंगे, फिर हटे क्यों।

नेताजी : ये राजनीति का पहला नियम है, अपने बाप पर भरोसा मत करो।

नेता : जब तक जिन्दा हूं, जनता का साथ निभाऊंगा, जहां बुलाओगे, वहां आऊंगा।

अगर न आ पाया तो ये समझ लेना लुगाई नहीं आने दे रही है।

बाप : जो रात में खाना नहीं खाएगा, उसे 5 रुपए मिलेंगे। सभी बच्चे 5-5 रुपए लेकर सो गए।

सुबह बाप बोला- जो जो 5 रुपए देगा, उसको ही नाश्ता मिलेगा।

बच्चे, बाप है या नरेन्द्र मोदी।

पूरण शर्मा
स्वास्तिक सिनेमा के पास
कांकरोली मो. 94149-77343

दीपावली

दीपावली का त्यौहार आया, हजारों खुशियां साथ लाया।
राम चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर आयोध्या आए।
अयोध्यावासियों ने खुशी के दीप जलाए।
हर तरफ खुशियों का आलम छाया,
इस पर्व पर लोगों ने मोमबत्तियां व दीये जलाए।
बच्चों व बूढ़ों ने तरह तरह के पटाखें जलाए।
दीपावली का त्यौहार सभी के मन को भाया।
दीपावली का त्यौहार आया, हजारों खुशियां साथ लाया।

कैलाशस्वरुप शर्मा
कवि जलचक्की, कांकरोली, 87699 53225

घर पर ट्यूशन पढ़ाने के लिए संपर्क करें : कैलाशस्वरुप शर्मा

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
प्रहलाद कुमार खटीक
कॉन्टेक्टर पीडब्लूडी एवं नगरीय निकाय
कोठारिया रोड, लालबाग नाथद्वारा, जिला राजसमंद

ज्योति पर्व दीपावली की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पूरणसिंह शेखावत
Govt. Contractor
C Class PWD, Municipal, Irrigation

राजसमंद की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

जयवर्द्धन

की वार्षिक बुकिंग सिर्फ 150/- में

अपना पता मैसेज करें - 94142-39648

दीपावली पर्व पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आपके शहर कांकरोली (राजसमन्द) में महिला रोग प्रसूति एवं निःस्संतानता विशेषज्ञा की सेवाएँ उपलब्ध ।
बनारस युनिवर्सिटि से विशेषज्ञता अर्जित लेडी डॉक्टर की सेवाएँ,
आधुनिक उपकरणों के साथ ।
सोनोग्राफी उपलब्ध
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
स्त्रियों के समस्त रोगों का उपचार । नसबन्दी सुविधा । प्रसूति सुविधा
मासिक धर्म सम्बन्धित रोगों का उपचार । सोनोग्राफी सुविधा । 3D-4D कलर सोनोग्राफी । एम.टी.पी. (गर्भपात) एवं नसबंदी का सरकारी मान्यता प्राप्त केन्द्र
निःसंतान दम्पतियों हेतु । दूरबीन से बच्चेदानी और ट्यूब की जांच व निदान
बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन (TAH,VH,NDVH,LAVH)
एम्बुलेन्स सुविधा । हाई रिस्क गर्भावस्था (जोखिम भरी) का उपचार।
I.U.I द्वारा कृत्रिम गर्भाधान । निःसंतान दम्पतियों का उपचार । बार बार गर्भपात होने का उपचार । असामान्य गर्भ (ECTOPIC PREGANCY)
डा. श्रीमती आकाँक्षा श्रीवास्तव
M.S.(OBS/GYN) BHU.
स्त्री रोग, प्रसूति एवं निस्संतानता विशेषज्ञा
रजि. 16779(RMC)
M : 91 63766 99424
एक बार सेवाका अवसर अवश्य प्रदान करें तथा संतुष्ट होने पर अन्य को भी बतायें ।
24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध
श्री राधिका हॉस्पीटल
श्री कृष्णा नगर, भीलवाड़ा रोड, कांकरोली राजसमन्द
M: 9414171606, 7838923466

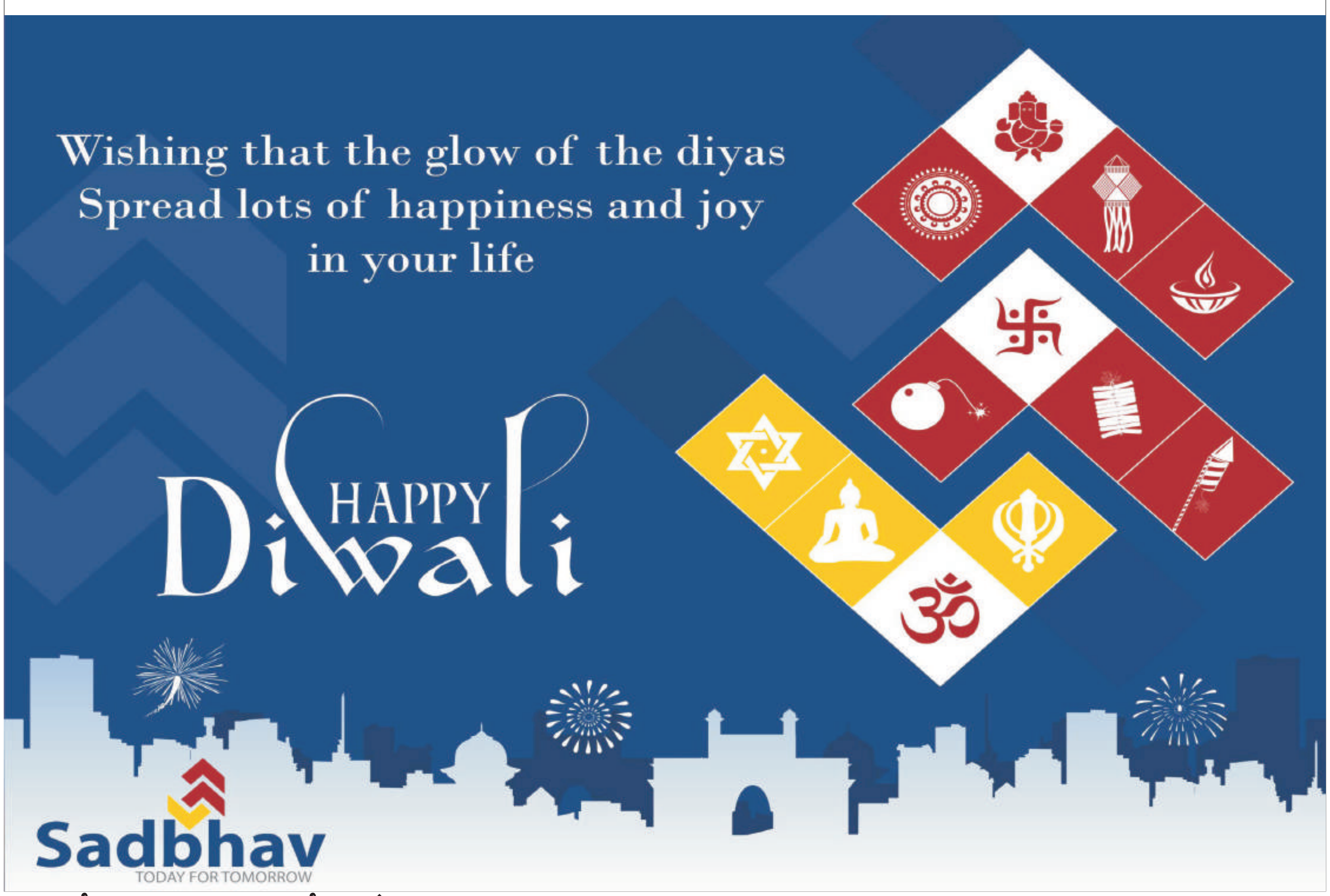
Wishing that the glow of the diyas
Spread lots of happiness and joy
in your life
HAPPY
Diwali
Sadbhav
TODAY FOR TOMORROW

दीपोत्सव पर भीम-देवगढ़ के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रेखा सोनी (माहेश्वरी)
पूर्व उपाध्यक्ष, नगर पालिका, देवगढ़

अजय सोनी (माहेश्वरी)
अध्यक्ष-देव जागरण संस्था
संयोजक -जागरण मंच

भारत सैनेट्री, देवगढ़

ग्लेज टाईल्स, सैनेट्री , जी.आई., सीपीवीसी., यूपीवीसी,
रिजिड, एसडब्ल्यूआर पाईप व फिटिंग
स्टील सिंक, नल व फिटिंग मूर्ति टाईल्स आदि के हॉल सेल विक्रेता

अजय सोनी

ऑ. 02904-252551/252033 मो. 9783273001

जयवर्द्धन

कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली,
जिला-राजसमंद, 9414239648, 96729 94705
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

To